P372

इंदौर, बुधवार 21 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 74

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर को जल्द मिलेगी 1800 करोड़ की सौगात

पेज-2

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंडिया

पेज-5

भाजपा के 6 मोर्चा अध्यक्ष घोषित

पेज-6

संगठन की ताकत...

इंदौर ● विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताकत कितनी है, यह इस तस्वीर से बयां होती है। कल भाजपा कार्यालय में जब नितिन नबीन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी पर पद्भार ग्रहण किया, उस समय उनकी कुर्सी के ईर्द-गिर्द देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और सड़क परिवहन मंत्री खड़े नजर आए।

सीएम दावोस दौरे पर, लौटने के बाद फैसला

एमपी-एमएलए कोर्ट में चल सकता है विजय शाह केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शाह के खिलाफ अभियोजन पर स्वीकृति देने के लिए सरकार को दो हफ्ते का वक्त दिया है। कानूनी जानकारों की मानें तो विजय शाह के इस केस का ट्रायल इंदौर में एमपी-एमएलए कोर्ट में शुरू किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को अभियोजन पर निर्णय लेने के लिए दो हफ्तों का वक्त दिया है। सीएम डॉ मोहन यादव 23 जनवरी तक स्विटजरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल होने के लिए गए हैं। ऐसे में सीएम के दावोस से लौटने के बाद विजय शाह के मामले में सरकार आगे निर्णय लेगी। सुप्रीम कोर्ट में छह महीने बाद विजय शाह मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान विजय शाह की ऑनलाइन माफी पर सोमवार को कोर्ट ने कहा कि इसमें अब बहुत देर हो गई है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर 2 हफ्ते के भीतर फैसला लें। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि राज्य सरकार विशेष जांच दल की रिपोर्ट पर कई महीनों से कोई फैसला नहीं ले रही है। जबकि विशेष जांच दल ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश टिप्पणी करते हुए कहा- आप 19 अगस्त, 2025 से एसआईटी रिपोर्ट पर विचार कर रहे हैं। कानून आप पर दायित्व डालता है और आपको निर्णय लेना होगा। अब 19 जनवरी है। अदालत ने एसआईटी की सीलबंद रिपोर्ट खोली और पाया कि अलग-अलग पहलुओं की जांच के बाद, उसने उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की मंजूरी मांगी है। हमें सूचित किया गया है कि मामला यहां लंबित होने के कारण राज्य द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

चांदी की कीमतों ने दिया बड़ा झटका...

तीन लखिया चांदी ने पायल कारखानों में लगवा दिए ताले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चांदी में आई तेजी ने सराफों का चैन छीन लिया है। एक तरफ बाजार से ग्राहक गायब हैं। 70 प्रतिशत तक बिक्री घट गई है। दूसरी तरफ पायल कारखानों में ताले लटक रहे हैं। घर पर पायल तैयार कराने के लिए कारीगरों को कच्चा माल देने से सराफा कतरा रहे हैं।

चांदी की मंडी कहे जाने वाले आगरा में सराफा कारोबार धड़ाम हो चुका है। सोमवार को चांदी एमसीएक्स पर तीन लाख प्रति किलो पहुंच गई। ऑल टाइम हाई चल रही चांदी में आई तेजी से कारोबारी परेशान हैं। शहर में 2500 से अधिक सराफा कारोबारी हैं। हर माह करीब 50 टन चांदी का कारोबार होता है। एक लाख से अधिक कारीगर जुड़े हुए हैं। कुटीर उद्योग की तरह घर-घर पायल बनाई जाती हैं। लेकिन, चांदी की चमक से बाजार में सन्नाटा पसरा है। सबसे बड़ा संकट पुराने माल का भुगतान रुक गया है। जिन कारोबारियों ने 20 या 30 किलो चांदी पायल बनाने के लिए कारीगरों को दी, वह भी उनसे वापस ली जा रही है। चांदी का अधिकांश कारोबार उधारी में होता था। तेजी के कारण माल नहीं बिक रहा। इस वजह से करोड़ों रुपये का भुगतान भी अधर में फंसा है।

सराफा स्वर्णकार व्यावसायिक कमेटी के अनुसार पायल बनाने के कारखाने बंद पड़े हैं। उधारी पर जो माल दिया था, उसका भुगतान नहीं हो रहा। कच्चा माल देने से भी कारोबारी कतरा रहे हैं। फिलहाल चांदी में राहत नहीं।

तेजी से सहालग में हल्की हो गई पायल

एक तरफ भाव में तेजी और दूसरी तरफ सहालग। दो तरफा मार से जूझ रहे सराफा कारोबारी हल्के आभूषण बना रहे हैं। जहां पहले 100 से 200 ग्राम तक की पायल खरीदी जा रही थीं, वहीं अब 30 से 50 ग्राम वजन की पायलों की मांग है। इसकी वजह कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि है। कारोबारियों का कहना है कि तेजी से चांदी आभूषण की शुद्धता और गुणवत्ता दोनों पर विपरीत असर पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली हाईकोर्ट में रानी कपूर की याचिका, बहू और परिजनों पर संपत्ति और कंपनी नियंत्रण हड़पने का आरोप
- श्रीनगर में शीतलहर जारी, माइनस 1 डिग्री तापमान, दो दिन हल्की बारिश का पूर्वानुमान
- एयर फोर्स वन में तकनीकी गड़बड़ी, उड़ान के बाद जॉइंट बेस एंड्रयूज़ लौटा अमेरिका का राष्ट्रपति विमान
- अमेरिका-तुर्किये संबंधों पर सकारात्मक संकेत, ट्रंप बोले- राष्ट्रपति एर्दोगन से बातचीत बेहद अच्छी रही
- नासा की स्टार एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने 27 साल की सेवा के बाद अंतरिक्ष करियर को कहा अलविदा
- हैदराबाद के पास आवारा कुत्तों का कत्लेआम जारी, 100 और को जहर देकर मारा गया
- लखनऊ : धर्मांतरण जांच में बड़ी सफलता, केजीएमयू केस में आरोपी डॉ. रमीज के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त
- भारत-पाकिस्तान टकराव पर ट्रंप का दावा, बोले- हालात परमाणु जंग तक पहुंच रहे थे, मैंने बड़ा संकट टाला
- पेरिस में होने वाली जी7 की इमरजेंसी मीटिंग में शामिल नहीं होंगे ट्रंप, मैक्रों कर रहे मेजबानी

नगर निगम में नया बवाल प्रतिमाह बंदी देने का लगा आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● निगम के असिस्टेंट रेवेन्यू ऑफिसर (एआरओ) ने राजस्व अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एआरओ ने उन पर प्रतिमाह बंदी देने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। साथ ही निगमायुक्त क्षितिज सिघल को शिकायती पत्र लिखा है, जिसमें बताया गया है कि अपर आयुक्त श्रीवास्तव द्वारा एआरओ को धमकी दी जा रही है कि यदि प्रतिमाह बंदी नहीं दी जाती है तो नोटशीट लिखकर सस्पेंड कर दूंगा। मामले में भारतीय मजदूर संघ के माध्यम से एआरओ ने अपनी समस्या निगमायुक्त को बताई है। वहीं अपर आयुक्त ने अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर कोई सफाई नहीं दी है। भारतीय मजदूर संघ ने निगम आयुक्त को लिखे पत्र में स्पष्ट किया है कि श्रीवास्तव द्वारा धमकी देकर प्रतिमाह बंदी देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। साथ ही बंदी नहीं दिए जाने पर सस्पेंड करने की धमकी दी जा रही है। एआरओ पर निलंबन से संबंधित कोई भी कार्रवाई की जाती है, तो आंदोलन किया जाएगा।

मुझे भिखारी नहीं 'फाइनेंसर' कहिए... रेस्क्यू किए गए मांगीलाल ने भीख मांगने से किया इनकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भिखारी हटाओ अभियान के तहत इंदौर के सराफा बाजार से रेस्क्यू किए गए 60 वर्षीय मांगीलाल चौहान ने भिखारी होने से इनकार कर दिया है। प्रशासन का दावा है कि मांगीलाल तीन मकानों, तीन ऑटो और एक कार के मालिक हैं, जबकि मांगीलाल का कहना है कि वह ब्याज पर पैसे देने का काम करते हैं और उन्होंने अपनी मेहनत से घर बनाया है। फिलहाल उन्हें उज्जैन स्थित कुष्ठ रोगियों के आश्रम में भेजा गया है।

मांगीलाल चौहान को इंदौर के सर्राफ़ा बाज़ार से रेस्क्यू किया गया है, जहां वे कथित तौर पर भीख मांग रहे थे। महिला एवं बाल विकास विभाग के भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। नोडल अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि रेस्क्यू दल को सूचना मिली थी कि एक कुष्ठ रोगी हर हफ़्ते भीख मांगने आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में मांगीलाल चौहान ने दावा किया है कि उनका ट्रैवल्स और ब्याज पर पैसे देने का काम है।

दिनेश मिश्रा ने बताया कि जब जानकारी निकाली गई तो पता चला कि भीख मांगने वाले व्यक्ति का नाम मांगीलाल है, जो काफ़ी संपन्न व्यक्ति हैं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि उनके तीन मकान हैं, जिनमें से एक तीन मंज़िला और दो एक मंज़िला हैं। इसके अलावा उनके पास तीन ऑटो भी हैं जो किराए पर चलते हैं, और एक मारुति डिज़ायर कार भी है। दिनेश मिश्रा ने बताया कि मांगीलाल के मुताबिक़ वे बीते आठ सालों से भीख मांग रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही सर्राफ़ा बाज़ार में ब्याज पर पैसा भी उधार देते हैं। रेस्क्यू के बाद मांगीलाल को कुष्ठ रोगियों के उज्जैन आश्रम में रखा गया है और उनसे जुड़ी बाकी जानकारी निकाली जा रही है। इस बारे में रिपोर्ट तैयार कर इंदौर के कलेक्टर को सौंपी जानी है। मांगीलाल का इंदौर के भगत सिंह नगर में 16 बाई 45 फ़ुट का तीन मंज़िला मकान है।

धनुष-बाण और घड़ी का असली हकदार कौन? सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज!

मुंबई (एजेंसी) ● शिवसेना व राकां पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अंतिम सुनवाई शुरू होगी। ऐसी रिपोर्ट है कि दो दिनों तक अंतिम बहस के बाद गुरुवार को इस बारे में फैसला आ सकता है। जिसके बाद इन दोनों पार्टियों का भविष्य तय होगा। शिवसेना में फूट के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग शिवसेना पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह धनुष बाण डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया है।

चुनाव आयोग के इस फैसले को पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती है। जिस पर चल रही सुनवाई अब अपने अंतिम मुकाम तक पहुंच गई है। इसी तरह राकां में भी अजीत पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत करते हुए पार्टी के नाम व चुनाव चिन्ह घड़ी पर कब्जा कर लिया है। इसके खिलाफ शरद पवार गुट ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिस पर अब फैसले की बारी है। इस तरह गुरुवार का दिन महाराष्ट्र की राजनीति में काफी ऐतिहासिक होने वाला है। सुप्रीम कोर्ट में शिवसेना में होने वाली अहम सुनवाई ऐसे समय में हो रही है, जब मुम्बई में बीएमसी के मेयर पद के लिए बीजेपी शिंदे गुट में खींचतान चल रही है।

नया नियम एनओसी और फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं होगा, नेशनल परमिट भी नहीं मिलेगा

टोल नहीं चुकाया तो गाड़ी नहीं बेच पाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) ● सरकार ने मंगलवार को नेशनल हाईवेज पर टोल नियम सख्त कर दिए हैं। अब टोल न चुकाने वाले वाहनों को एनओसी, फिटनेस सर्टिफिकेट और नेशनल परमिट जैसी सेवाएं नहीं मिलेंगी। यह बदलाव सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स 2026 के तहत किए गए हैं। इसका मकसद इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन मजबूत करना और टोल चोरी रोकना है। कई बार नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर गाड़ी का फास्टैग स्कैन होने पर टेक्नीकल खामी की वजह से टोल नहीं कट पाता। फास्टैग में बैलेंस कम होने पर भी गाड़ियां टोल क्रॉस कर जाती हैं। अब ऐसे वाहनों की बकाया राशि गाड़ी के रिकॉर्ड से जुड़ जाएगी। नए नियमों के लागू होने के बाद, अगर किसी गाड़ी पर टोल का बकाया मिलता है, तो उसकी ये सर्विसेज रोकी जाएंगी।

नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी): यदि आप अपनी गाड़ी किसी दूसरे व्यक्ति को बेचना चाहते हैं या गाड़ी को एक राज्य से दूसरे राज्य में ट्रांसफर करना चाहते हैं, तो बिना टोल क्लीयरेंस के एनओसी जारी नहीं की जाएगी।

फिटनेस सर्टिफिकेट: कॉमर्शियल और अन्य वाहनों के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट का रिन्युअल या नया सर्टिफिकेट जारी करना तब तक मुमकिन नहीं होगा, जब तक पुराना टोल बकाया जमा न हो जाए।

नेशनल परमिट: ट्रक और बसों जैसे कॉमर्शियल वाहनों को नेशनल परमिट जारी करने से पहले यह जांचा जाएगा कि उस वाहन पर कोई टोल बकाया तो नहीं है।

ऐसे काम करेगा यह सिस्टम?

गाड़ी के रिकॉर्ड से टोल बकाया जुड़ने की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल और ऑटोमेटेड होगी। इसे 3 स्टेप्स में समझा जा सकता है : 1. टोल प्लाजा पर लगा सेंसर और कैमरा : जैसे ही आपकी गाड़ी किसी टोल प्लाजा से गुजरती है, वहां लगा आरएफआईडी रीडर आपके फास्टैग को स्कैन करता है। अगर फास्टैग में बैलेंस कम है या वह ब्लैकलिस्टेड है, तो सिस्टम तुरंत उस गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर को रिकॉर्ड कर लेता है। भविष्य में आने वाले 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' सिस्टम में तो बैरियर भी नहीं होंगे, वहां हाई-डेफिनिशन कैमरे सीधे आपकी नंबर प्लेट की फोटो खींच लेंगे।

प्रदेश में 23-24 जनवरी को गिरेगा मावठा, कोहरा भी छाएगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में 23 और 24 जनवरी को मावठा गिरने यानी, बारिश का अलर्ट है। ऐसा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से होगा। ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में असर रहेगा। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। बुधवार सुबह भी कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे का असर देखा जा रहा है।

आज ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा रहा। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई शहरों में हल्के कोहरे का असर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, रात के तापमान स्थिर रहे। दिन में धूप खिली रहने से ठंड का असर नहीं रहेगा। न्यूनतम और अधिकतम दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी होगी।

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस गुजरने के बाद ठंड का एक और दौर आएगा। पारे में गिरावट हो सकती है। कोल्ड वेव यानी, शीतलहर चलने का अनुमान भी है। जनवरी के आखिरी दिनों में ऐसा होगा। इससे पहले दिन में गर्मी और रातें ठंडी रहेगी। 23 जनवरी- ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड और दतिया। 24 जनवरी- ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और मऊगंज। प्रदेश में सबसे ठंडा मंदसौर, इंदौर में भी पारे में गिरावट रही।

न्यूज ब्रीफ

श्री राम मंदिर अवंतिका नगर 3 दिन तीन दिवसीय बसंत उत्सव का 22 व वर्ष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री राम मंदिर अवंतिका नगर में तीन दिवसीय बसंत उत्सव 21 तारीख से प्रारंभ हो रहा है। महंत श्री श्री 1008 श्री बालक दास जी महाराज जी द्वारा लगातार 22 वर्षों से बसंत उत्सव मनाया जा रहा है 21 जनवरी को अखंड रामायण पाठ, 22 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से राम जी की पालकी यात्रा और 23 जनवरी को शाम 4:00 बजे से भव्य प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। महंत श्री बालक दास जी महाराज जी ने बताया कि यह कम 22 वर्षों से लगातार चल रहा है। उक्त आयोजन में पूरे हिंदुस्तान के उनके अनुयाई और भक्त लोग यह पूरा आयोजन भगवान राम जी की सेवा के लिए करते हैं।

गौतमपुरा में शिकायत निवारण समिति की बैठक आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा इंदौर जिले के गौतमपुरा नगर में जल प्रदाय परियोजना अंतर्गत कार्य किया गया है। परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नगर की जल प्रदाय व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग के उद्देश्य से शिकायत निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मयूरी वर्मा, समिति सदस्यम श्री गगन बाहेती, श्री प्रमोद सक्सेना, उप परियोजना प्रबंधक श्री लालचंद कुरेठिया सहित सभी संबंधित मौजूद रहे। बैठक के दौरान जल आपूर्ति से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें एस्क्रो अकाउंट के संचालन, 100 प्रतिशत उपभोक्ताओं को नई पाइपलाइन से जोड़ने, सभी जल कनेक्शनों के सत्यापन तथा प्रदाय किए जा रहे जल की मात्रा की जांच पर विशेष जोर दिया गया।

एसजीएसआईटीएस में जीपीडीपी अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री गोविंदराम सेक्सेरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआईटीएस) इंदौर में उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) पर आधारित बी.टेक विद्यार्थियों हेतु हैंड-होल्डिंग अभिमुखीकरण एवं सहयोग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी रूप से दक्ष विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से समग्र एवं सहभागी ग्रामीण विकास को गति देना रहा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पंचायती राज मंत्रालय के मार्गदर्शन में ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र, राऊ के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुधीर जैन, उप निदेशक, पंचायती राज निदेशालय, मध्य प्रदेश ने जीपीडीपी की अवधारणा, योजना निर्माण प्रक्रिया, सहभागी नियोजन, वित्तीय प्रावधानों तथा प्रभावी क्रियान्वयन रणनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पूर्व पार्षद संजय कटारिया ने जनसुनवाई में कलेक्टर से की शिकायत दिव्यांग को पीएम आवास

सिर्फ एक मिनट में कैसे बिक गए वनडे क्रिकेट के 27 हजार टिकट ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारत और न्यूजीलैंड के बीच बीते रविवार को वनडे मैच हुआ, जिसके ऑनलाइन टिकट मात्र एक मिनट में बिक गए। यह कैसे संभव हुआ, इसकी जांच के लिए भाजपा के पूर्व पार्षद संजय कटारिया ने कलेक्टर शिवम वर्मा से जनसुनवाई में पहुंचकर मांग की है। मामले में कलेक्टर वर्मा ने जांच का आश्वासन दिया है।

'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर - इस दौरान पूर्व पार्षद कटारिया के साथ शहर के क्रिकेट प्रेमी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि इंदौर में रविवार को हुए वनडे मैच के टिकट एक मिनट में कैसे बिक गए। क्रिकेट प्रेमियों ने अपने शिकायती पत्र में कहा कि हम सभी बड़ी संख्या में इंदौर निवासी क्रिकेट प्रेमी हैं और वर्षों से इंदौर में होने वाले क्रिकेट मैच देखते आ रहे हैं। पहले इंदौर के लोगों को 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर खिड़की से या अन्य माध्यमों से टिकट मिल जाया करते थे।

इंदौर के दर्शक रह जाते हैं दूर- पूर्व पार्षद कटारिया ने बताया कि इंदौर के क्रिकेट प्रेमियों में निराशा है, क्योंकि इंदौर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या आईपीएल मैचों से स्थानीय दर्शकों को दूर रखा जा रहा है। 27 हजार से अधिक क्षमता वाले होलकर स्टेडियम में हर मैच में 27 हजार से ज्यादा जार से ज्यादा दर्शक मौजूद रहते हैं, लेकिन टिकट कहां और कैसे बिकते हैं, यह किसी को भी पता नहीं चलता। क्रिकेट प्रेमी अमित जाखर ने बताया कि जिस वेबसाइट पर टिकट बिक्री होनी थी।

वहां पलक झपकते ही टिकट समाप्त हो गए। इसके बाद टिकट उपलब्ध नहीं हो सके और हम मैच देखने से वंचित रह गए। इसके पीछे साइबर अपराधियों की भूमिका भी हो सकती है, जिन्होंने बाद में टिकट ब्लैक किए।

जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग दंपति सुनील पांडे और देवकन्या बाई पांडे ने बताया कि शासन की योजना के तहत उन्हें ऑटो रिक्शा प्राप्त हुआ, जिससे उनका रोजगार सुदृढ़ हुआ है और उन्होंने नियमित रूप से किस्तें भी जमा कर दी हैं। वर्तमान में वे गौरी नगर में किराए के मकान में निवासरत हैं। यदि उन्हें पक्का आवास मिल जाए तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सहित भविष्य की योजनाओं में सुविधा होगी। कलेक्टर वर्मा ने प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

सिर्फ वोट बैंक के लिए सनातन की बात करती है बीजेपी-पटवारी

शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोकने का मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को गंगा स्नान से रोके जाने के मामले पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा है। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जो भाजपा खुद को सनातन धर्म का रक्षक बताती है, वही सनातन परंपरा के सर्वोच्च पद शंकराचार्य का अपमान कर रही है।,जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान से रोका गया और उनके अनुयायियों पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ वोट बैंक के लिए सनातन की बात करती है, लेकिन व्यवहार में उसके विपरीत काम करती है।

गलत अधिकारियों को मिल रहा इनाम- जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि छिंदवाड़ा के कफ सिरप कांड में बच्चों की मौत के जिम्मेदार अधिकारी दिनेश कुमार मौर्य को हटाने के बाद फिर बड़े पद पर बैठा दिया गया। इसी तरह इंदौर में दूषित पानी से मौतों के बाद हटाए गए अधिकारी को भी नई जिम्मेदारी दे दी गई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सजा नहीं, बल्कि इनाम देने की नीति पर चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 32 लाख करोड़ के निवेश और 26 लाख रोजगार का दावा किया था, लेकिन हकीकत में केवल 3 प्रतिशत निवेश ही जमीन पर उतरा है। प्रदेश पर रोजाना 200 करोड़ रुपये का कर्ज बढ़ रहा है, जबकि मुख्यमंत्री विदेश यात्राओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं।

युवाओं और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल-पटवारी ने कहा कि जब युवा रोजगार और भर्ती की मांग करते हैं तो उन पर लाठियां चलाई जाती हैं। उन्होंने महिला सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश में रोजाना औसतन 22 बच्चियों से दुष्कर्म और 23 बच्चियों के लापता होने के मामले सामने आ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में गौ हत्या और गौमांस तस्करी के मामले बढ़ रहे हैं। भोपाल के स्लॉटर हाउस में गौ मांस मिलने की घटना बेहद गंभीर है। साथ ही ड्रग्स का कारोबार भी खुलेआम चल रहा है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है।

पंडित एनके शुक्ला स्मृति 33वें आध्यात्मिक संगीत समारोह का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रचनात्मक संस्था उत्थान द्वारा गीता भवन सत्संग हॉल में लोक सेवा आयोग के पूर्व सचिव पंडित एन. के. शुक्ला स्मृति 33वें आध्यात्मिक संगीत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीबीआई के विशेष अभियोजक श्री मनोज द्विवेदी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआईएसएफ के वरिष्ठ सेनानायक श्री कृष्ण सारस्वत ने की।

कार्यक्रम में विशेष रूप से महामंडलेश्वर भास्करानंद महाराज, महामंडलेश्वर दादू महाराज भी उपस्थित थे। भास्करानंद ने उक्त अवसर पर कहा कि इस तरह के आयोजन से पूर्वजों का आशीर्वाद सदैव प्राप्त होता रहता है एवं समाज में पूर्वजों को याद करते रहना बड़ा ही प्रशासनीय कार्य है। दादू महाराज ने कहा कि 33 वर्षों से निरंतर पंडित शुक्ल की याद में कार्यक्रम करना एक सच्ची श्रद्धांजलि है। संगीत समारोह का आगाज राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विख्यात भजन गायिका श्रीमती लक्ष्मी पांडे की प्रस्तुति से श्रोताओं से खचाखच भरा हाल एवं परिसर तालिया से गूंज उठा। आपकी ज्यादातर रचनाएं आध्यात्मिक भाव लिए हुए थी। जिसके चलते माहौल में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो गया था। कार्यक्रम का श्री गणेश कर श्रीमती लक्ष्मी पांडे ने हमारी अलबेली राधे..... मेरे बांके बिहारी नंदलाल मोहना..... यह चमक यह दमक...... रामा रामा रटते रटते...... सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी। श्रीमती पांडे के साथ कीबोर्ड पर संगत कर रहे थे राज पाठक, तबले पर प्रिंस बैरागी, ढोलक पर कुलदीप मरमट, ऑक्टोपैड पर सत्यम पटेल।

कार्यक्रम में विशेष तौर पर डॉ. सुरेश सिलावट, अभिभाषक रमेश सोनवाने, अजय शुक्ला, गीता भवन सत्संग समिति के अध्यक्ष रामविलास राठी, डॉ. सुधा सिलावट भी विशेष तौर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के पूर्व में उत्थान परिवार की ओर से अतिथियों एवं कलाकारों का पुष्प कुछ भेंट कर स्वागत कृष्ण प्रजापति, इंजीनियर गौरव शुक्ला, मोहन शर्मा, हर्ष दीक्षित, अभिषेक शुक्ला आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नूतन शुक्ला ने किया। आभार माना गिरीश चवहाण ने।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी पड़ी भारी, बजरंगियों ने की धुनाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि इंदौर के राऊ थाना में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बजरंग दल संगठन के खिलाफ आपत्तिजनक, अभद्र और अशोभनीय टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी युवक को संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा पकड़कर थाने लाया गया, जहां पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की।

फरियादी ने बताया कि वह हार्डवेयर की दुकान चलाता है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पेज पर कुछ दिन पहले एक रील अपलोड की गई थी। उक्त रील में अल्ताफ उर्फ राजा पटेल नामक युवक द्वारा बजरंग दल का नाम लेकर अत्यंत आपत्तिजनक, अभद्र व अशोभनीय टिप्पणी की गई थी, साथ ही गाली-गलौच भी की गई। इससे न केवल एक सामाजिक व राष्ट्रवादी संगठन की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया, बल्कि संगठन के सदस्यों और फरियादी की भावनाएं भी आहत हुईं। मामले से क्षेत्र की शांति व्यवस्था बिगड़ने की आशंका भी उत्पन्न हो गई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि मंगलवार को अल्ताफ पटेल पिता रईस पटेल, उम्र 27 वर्ष, निवासी 547 पटेल मोहल्ला, खजराना, इंदौर, राऊ गोल चौराहे पर दिखाई दिया। इस पर फरियादी ने अपने दोस्त प्रदीप और संगठन के अन्य लोगों को बुलाया। युवक से इंस्टाग्राम पर की गई आपत्तिजनक पोस्ट के बारे में पूछताछ करने पर उसने खुद पोस्ट करना स्वीकार किया। इसके बाद वह डर के मारे भागने लगा, इसी दौरान वह लड़खड़ाकर गिर पड़ा और घसीटने से उसे चोटें आईं। संगठन के लोगों ने उसे पकड़कर थाने लाकर पुलिस के सुपुर्द किया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश धारा के उल्लंघन का पाया जाना बताया। इसके आधार पर आरोपी अल्ताफ पटेल के खिलाफ धारा 223 बीएनएस 2023 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस मामले में बजरंग दल के जिला सहसंयोजक राजेश राठौर ने कहा कि सोशल मीडिया पर संगठन और राष्ट्रवादी विचारधारा के खिलाफ की जा रही अभद्र टिप्पणियां समाज में वैमनस्य फैलाने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि बजरंग दल ऐसे मामलों में कानून के दायरे में रहकर सख्त कार्रवाई की मांग करता है। राठौर ने पुलिस की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे, ताकि शहर की शांति और सौहार्द बना रहे।

55 की उम्र में जी रहे हैं बचपन, रिटायरमेंट के बाद भी नहीं रुके कदम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित प्रमुख संस्था आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर ने अपनी स्थापना के 13 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। इस विशेष समारोह में संस्था के सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ वर्षगांठ मनाई। इस गरिमामयी अवसर पर सेवा निवृत्त हाई कोर्ट जज रमेश गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। यह 13 वर्षीय यात्रा इंदौर के बुजुर्गों के लिए न केवल सहारा बनी है, बल्कि उनके जीवन में सक्रियता और आत्मसम्मान का नया संचार भी कर रही है। संस्था के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने बीते वर्षों के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2013 में मात्र चार साथियों और भाटिया परिवार के सहयोग से इस केंद्र की नींव रखी गई थी। आज यह संस्था एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। आनंदम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों के बीच सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। यहां सदस्य स्वयं ही विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते हैं, जिससे उन्हें अपनी उपयोगिता और सम्मान का अनुभव होता है।

स्नेहलतागंज में जलप्रदाय लीकेज संधारण कार्य का महापौर और आयुक्त ने लिया जायजा

सफाई, जलप्रदाय व सीवरेज का कार्य हमारी प्राथमिकता- महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा स्नेहलतागंज क्षेत्र में नर्मदा पेयजल लाइन में हुए लीकेज के संधारण कार्य का मौके पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लीकेज संधारण कार्य को शीघ्रता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद गजानंद गावडे, सुरेश टाकलकर, जोनल अधिकारी राज ठाकुर सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके उपरांत महापौर भार्गव एवं आयुक्त सिंघल द्वारा निगम वर्कशॉप के पीछे निर्माणाधीन सम्पवेल का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में यशवंत सागर तालाब से इंदौर शहर में आने वाले पानी से जिंसी हाट मैदान एवं सुभाष चौक स्थित पानी की टंकियों को एक बार ही भरा जा रहा है। सम्पवेल का निर्माण पूर्ण होने के पश्चात इन दोनों पेयजल टंकियों को प्रतिदिन दो बार भरा जा सकेगा, जिससे संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को पर्याप्त एवं सुचारु तथा पूर्ण क्षमता से पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

संवाद से ही होता है समस्याओं का हल: महापौर- शहर के प्रत्येक वार्ड में संचालित किए जा रहे 'संकल्प से समाधान अभियान' के अंतर्गत मंगलवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा वार्ड क्रमांक 49 में महावीर बाग, तिलक नगर स्थित पानी की टंकी पर आयोजित शिविर एवं जल सुनवाई में सहभागिता की गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद एवं महापौर परिषद सदस्य राजेश उदावत, महापौर प्रतिनिधि विवेक सिंहा, संबंधित जोनल अधिकारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। महापौर भार्गव ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं सुचारू रूप से पहुंचे, इसी उद्देश्य से संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत जोनवार एवं वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। समस्त वार्डों में प्रत्येक मंगलवार को जल सुनवाई आयोजित की जा रही है, जिसमें महापौर ने उपस्थित होकर नागरिकों की जल से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुना।

23 को होगी 6 विभूतियां नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 23 जनवरी को नेताजी सुभाष अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 6 विभूतियों को नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। नेताजी सुभाष मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर चार दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 23 जनवरी को आयोजित अलंकरण समारोह में- डॉ. दिलीप वाघेला को पर्यावरण संरक्षण, श्रीमती पूजा दवे को समाजसेवा, बालक दास घोरेया को समाजसेवा, आदित्य तिवारी को गायन एवं यातायात जागरूकता, संदीप काले को समाजसेवा तथा आफताब आलम कुरैशी को समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा।

इंदौर को जल्द मिलेगी 1800 करोड़ की सौगात, एनएचएआई ने शुरू किया काम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। शहर के बहुप्रतीक्षित पश्चिमी बायपास का निर्माण कार्य अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। करीब 1800 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने काम शुरू कर दिया है।

इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण चरण था। ताजा जानकारी के अनुसार, एनएचएआइ को परियोजना के लिए आवश्यक 80 प्रतिशत जमीन का कब्जा मिल चुका है। जमीन का पजेशन मिलते ही निर्माण एजेंसी ने मौके पर काम शुरू कर दिया है। सड़क निर्माण के साथ-साथ पुल और पुलिया बनाने का काम भी समानांतर रूप से चल रहा है।

पीथमपुर-देपालपुर क्षेत्र-यह बायपास कुल 64 किलोमीटर लंबा है, जो पीथमपुर और देपालपुर क्षेत्र को कवर करेगा। इस पूरे रूट पर निर्माण गतिविधियां तेज हो गई हैं। अधिकारियों का लक्ष्य है कि जैसे-जैसे जमीन मिलती जाए, निर्माण कार्य को बिना किसी देरी के आगे बढ़ाया जाए। इस सड़क के बनने से भारी वाहनों को शहर के भीतर से नहीं गुजरना पड़ेगा।

इन गांवों में चल रहा है काम

पश्चिमी बायपास के निर्माण के लिए चिन्हित किए गए गांवों में मशीनरी और श्रमिकों की उपस्थिति दिखने लगी है। फिलहाल रोलाई, बड़ोदिया पंथ, करडिया, पालदी और मिर्जापुर में काम चल रहा है। इन स्थानों पर मिट्टी के काम और लेवलिंग के साथ स्ट्रक्चर खड़े करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इस परियोजना के पूरा होने से इंदौर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार आएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 21 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा का सामूहिक विवाह समारोह 23 को

इंदौर • श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा इंदौर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बसंत पंचमी 23 जनवरी के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जा रहा है, इसमें 11 जोडे परिणय सूत्र में बंधेगे। सभा के अध्यक्ष पं. संजय शुक्ला (पूर्व विधायक) एवं प्रधानमंत्री पं. अनुप वाजपेई (अन्नू) ने बताया कि सभा द्वारा विगत 30 वर्षों से प्रतिवर्ष बसंत पंचमी के अवसर पर सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु प्रविष्टि प्राप्त करने का सिलसिला जारी है, अभी तक 11 जोड़े की प्रविष्टि का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। आयोजन में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों एवं देश के अन्य राज्यों से भी प्रविष्टियां प्राप्त हुई है।

श्रीविद्याधाम पर ललिताम्बा महायज्ञ में गूँज रही स्वाहाकार की मंगल ध्वनि

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर 31 वें प्रकाशोत्सव में दूसरे दिन माँ ललिता पराम्बा का ब्रह्मचारिणी स्वरुप में मनोहारी श्रृंगार किया गया। मंदिर पर चले रहे सग्रहमख ललिताम्बा महायज्ञ में स्वाहाकार की मंगल ध्वनि प्रारंभ हो गई है, जिसमें 31 विद्वान प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक आहुतियां समर्पित कर रहे हैं। गुप्त नवरात्रि के उपलक्ष्य में यहाँ प्रतिदिन भगवती का नित्य नूतन श्रृंगार भी किया जा रहा है, जिनके दर्शनार्थ भक्तों का मेला जुटने लगा है। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि महायज्ञ के इस अनुष्ठान में भगवती के एक हजार नामों से ललिताम्बा महायज्ञ में प्रतिदिन आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में 11 विद्वानों एवं यजमानों द्वारा माँ को प्रिय व्यंजनों की आहुतियां समर्पित की जा रही हैं।

अफसरों को नई गाड़ियों, फर्नीचर और एसी के लिए नहीं मिलेगा पैसा

भोपाल (एजेंसी) • मप्र विधानसभा के प्रस्तावित बजट सत्र की तैयारियों के बीच वित्त विभाग ने सभी विभागों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि 31 मार्च से पहले की शेष वित्तीय तिमाही के दौरान अफसरों के लिए नई गाड़ियां खरीदने, कार्यालयों में एसी लगवाने, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या फ र्नीचर की खरीद के लिए किसी भी तरह का बजट आवंटन नहीं किया जाएगा। वित्त विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चालू वित्त वर्ष के तीसरे अनुपूरक बजट में इस तरह के मामलों से संबंधित कोई भी प्रस्ताव न भेजा जाए।

विधानसभा में पेश होगा तीसरा अनुपूरक

वित्त विभाग के अनुसार अगले माह विधानसभा बजट सत्र के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। सरकार ने इस वर्ष बजट निर्माण की प्रक्रिया जीरो बेस्ड बजट प्रणाली के आधार पर की है।

23 तक ऑनलाइन मांगे प्रस्ताव

तीसरे अनुपूरक बजट के लिए विभागों से केवल तय मापदंडों के अनुरूप प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रस्ताव 23 जनवरी तक केवल ऑनलाइन माध्यम से ही भेजे जाएंगे। विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि तीसरे अनुपूरक बजट से संबंधित सभी प्रस्ताव पहले संबंधित प्रशासकीय विभाग से अनुमोदन के बाद ही भेजे जाएं। प्रस्ताव में योजना का सेगमेंट कोड और नाम स्पष्ट रूप से उल्लेखित करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा जिन बजट मदों में केंद्र सरकार से सहायता प्राप्त होनी है, वहां केंद्र से मिलने वाली राशि की पूरी जानकारी देना जरूरी होगा। यदि किसी मद के लिए अतिरिक्त राशि की मांग की जा रही है, तो उसके साथ अनुदान संख्या और संबंधित वित्तीय विवरण भी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। जिन कामों के लिए राज्य की आकस्मिक निधि से एडवांस स्वीकृत किया गया है। ऐसे प्रस्ताव जिसके लिए विभागों ने वित्त विभाग से चर्चा की है और जिनके लिए वित्त विभाग द्वारा सहमति दी गई है।

ई- कचरे की बड़ी समस्या को सुलझाने में प्लास्टिक रिप्रोसेस से जुड़े उद्यमियों का

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ई-कचरे की समस्या आज पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही है। प्लास्टिक रिप्रोसेस ग्रेनुअल मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन से जुड़े उद्यमी इस ई-कचरे की समस्या के समाधान में बड़े भागीदार बन रहे हैं, यह प्रसन्नता की बात है। इस दिशा में एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय माने जाना चाहिए। ई-कचरे से नए और उपयोगी उत्पाद बनाने से पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, दोनों को लाभ होता है। इस उद्योग श्रेणी में अब युवाओं को भी आगे आने की जरूरत है क्योंकि रिसायकलिंग उद्योग नए रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इंदौर में जीडीपी को बढ़ाने में इस एसोसिएशन की भूमिका महत्वपूर्ण है और उद्यमियों की समस्याओं को सुलझाने और उन्हें केंद्र सरकार तक पहुँचाने के लिए मैं हर दम तत्पर बना हुआ हूँ। ये विचार हैं सांसद शंकर लालवानी के, जो उन्होंने प्लास्टिक रिप्रोसेस ग्रेनुअल मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के होटल सयाजी में आयोजित वार्षिक स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

'झंडा ऊँचा रहे हमारा' अभियान में आयोजित राष्ट्रीय समूह गीत स्पर्धा में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था सेवा सुरभि, जिला प्रशासन, इंदौर पुलिस, नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण की सहभागिता में चलाए जा रहे ' झंडा ऊंचा रहे हमारा ' अभियान के तहत मंगलवार को सुबह जाल सभागृह में शहर के प्रमुख 15 स्कूलों के बच्चों ने राष्ट्रभक्ति से प्रेरित अंतर विद्यालयीन राष्ट्रीय समूह गीत स्पर्धा में अपनी प्रस्तुतियां देकर समूचे सभागृह का माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत बनाए रखा। इन बच्चों के बीच हुई स्पर्धा में पहला पुरस्कार सत्य साई विद्या विहार, द्वितीय स्थान जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल एवं न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल तथा तृतीय पुरस्कार द एमराल्ड हाईटस इंटरनेशनल स्कूल ने प्राप्त किया। मातुश्री अहिल्या देवी पब्लिक स्कूल एवं सिका सीनियर सेकंडरी स्कूल निपानिया को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। सभी प्रतिभागी बच्चों को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस

मौके पर पर्यावरणविद किशोर पंवार ने तितलियों के बारे में रोचक जानकारियां भी दी। कार्यक्रम में वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गान भी किया गया। संस्था सेवा सुरभि द्वारा प्रवर्तित इस अभियान में मंगलवार को जाल सभागृह में गीता रामेश्वरम ट्रस्ट की सहभागिता में देशभक्ति से प्रेरित सुगम गान स्पर्धा का अनूठा आयोजन किया गया, जिसमें निर्णायक के रूप में दीपाली मोहरिल, शीतल अत्रे और संजीव गवते उपस्थित थे। अतिथि के रूप में समाजसेवी वीरेन्द्र गोयल, गौतम कोठारी, मुकेश पाटीदार एवं शिक्षाविद भावना पुजारी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जय सियाराम बाबा की प्रतिमा का पाटोत्सव संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के पश्चिम क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्र, पीलिया खाल एरोड्रम रोड स्थित दास हनुमान बगीची पर मंगलवार को जय सियाराम बाबा की मूर्ति का पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दास बगीची पहुंचकर जय सियाराम बाबा की प्रतिमा के दर्शन पूजन किए। प्रतिमा का आज अनुपम श्रृंगार किया गया था। श्री दास हनुमान बगीची जय सियाराम बाबा स्मृति ट्रस्ट की ओर से कैलाश कुसुमाकर, वीरेन्द्र गुप्ता, अशोक पटेल एवं पं. देवेन्द्र पुजारी ने बताया कि महोत्सव में सुबह गुरु मूर्ति की स्थापना के साथ ही भक्तों द्वारा विभिन्न किस्म के फूलों से बाबा की प्रतिमा का श्रृंगार शुरू किया गया। दोपहर में पूर्णाहुति के पश्चात श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों का मेला जुटा रहा। रात्रि में राम रामायण मंडल द्वारा भजन संध्या के माध्यम से जय सियाराम बाबा के प्रति आदरांजलि समर्पित की गई। इस दौरान दास बगीची परिसर स्थित जय सियाराम बाबा संस्कृत विद्यापीठ के वेदपाठी ब्राह्मणों ने भी बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा, आस्था व्यक्त की। मंगलवार को आरती और प्रसादी वितरण के पश्चात ब्राह्मण भोज का आयोजन भी किया गया। मंदिर ट्रस्ट की ओर से सत्यनारायण शर्मा, दिलीप विजयवर्गीय एवं हरिश्चंद्र यादव ने सभी भक्तों की अगवानी की।

बसंत पंचमी पर हंसदास मठ में होगा बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्राचीन हंसदास मठ पर गुप्त नवरात्रि एवं मठ के दसवें लोकार्पण दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में विद्वान आचार्यों के निर्देशन में श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त से आहुतियों का सिलसिला चल रहा है। हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सान्निध्य में मंगलवार को विधायक गोलू शुक्ला ने यज्ञशाला में पहुंचकर अग्नि देवता तथा सर्वतोभद्र मंडल के दर्शन पूजन कर यज्ञशाला की परिक्रमा की। मठ के पं. अमितदास महाराज ने बताया कि मठ स्थित भगवान रणछोड़जी एवं चिंतारहण पंचमुखी हनुमानजी को समर्पित इस लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह 8.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक यज्ञाचार्य पं. विवेक कृष्ण शास्त्री के निर्देशन में विद्वान आचार्यों द्वारा श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त से आहुतियाँ संपन्न कराई जा रही है। आज भी बड़ी संख्या में यज्ञ में शामिल यजमानों एवं मठ से जुड़े श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा कर पुण्य लाभ उठाया। यज्ञ एवं परिक्रमा में मठ से जुड़े संत, महंत, विद्वान एवं श्रद्धालु यज्ञ देवता तथा लक्ष्मीनारायण का जयघोष करते हुए शामिल हुए।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इस अवसर पर लोकप्रिय विधायक रमेश मेंदोला जी के नेतृत्व में अक्षत चौधरी जी द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ वीर शहीद ज्ञान सिंह परिहार की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के निर्वाचित होने को संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के विश्वास का प्रतीक बताया गया। कार्यक्रम के दौरान भव्य आतिशबाजी कर खुशी व्यक्त की गई एवं उपस्थित जनसमुदाय का मुँह मीठा कराया गया। कार्यक्रम में स्ढ्ढष्ट सदस्य राजेंद्र राठौड़, पूर्व पार्षद चंदू राव शिंदे, पूर्व पार्षद महेंद्र चौधरी, सुरजीत वालिया, सोनू ठाकुर, सोनू पाल, पप्पी चुन्ना, अमित राय, मनीष चौरा, महेश चौधरी, अमित सिंह चौहान, अंकित गौड़ सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस बना रहे थे पटाखे, प्रशासन ने की कार्रवाई, बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ग्राम जलोदिया पार में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री पर प्रशासन ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। यहां बिना लाइसेंस और सुरक्षा इंतजामों के चल रही इस अवैध पटाखा फैक्ट्री को जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने पकड़ा। कार्रवाई के दौरान पटाखा बनाने में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिली, जिसे जब्त किया गया। कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में की गई। जिले के ग्राम जलोदिया पार में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री संचालित होने की सूचना जिला प्रशासन को मिली थी। सूचना की पुष्टि के लिए कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय दंडाधिकारी देपालपुर राकेश मोहन त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर दीपक सिंह चौहान, तहसीलदार बलवीर सिंह राजपूत एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस देपालपुर संघमित्र सम्राट एवं अन्य पुलिस विभाग व राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान

पाया गया कि इस जगह पर बिना वैध अनुमति लाइसेंस के पटाखा निर्माण संबंधी गतिविधियां की जा रही थीं, जो नियमों के विरुद्ध हैं। सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की दृष्टि से मौके पर कोई संसाधन उपलब्ध नहीं मिले। मौके पर सुतली के बंडल 12 बोरी-प्रत्येक में 6 नग खुले हुए करीब 20 नग, 55 प्लॉस्टिक ट्रे, पुष्टे के बारुद भरने की बोरी, एक प्लास्टिक की बोरी में रबड़ बैंड, एक बोरी में हरा कलर (सुखा), 6 सफेद पीला केमिकल पावडर, 2 बोरी पेक सल्फर पावडर, 6 बोरी टाट की जिसमें पिला केमिकल पावडर, 2 स्टील डब्बे में एल्युमिनियम पावडर, 3 प्लास्टिक की ट्रे में खुला बारुद मौके पर मिला, जो सील किया गया और नियमानुसार पंचनामा तैयार किया गया।

खाद की ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे किसान, प्रदेश के सवा करोड़ किसानों की पोर्टल पर मैपिंग

भोपाल (एजेंसी) • मप्र में बुआई के हर मौसम में किसानों की खाद लेने के लिए लगी कतारें सरकार और पब्लिक दोनों को परेशान करती हैं। अब सरकार किसानों को खाद की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा देने जा रही है। यही नहीं खाद की होम डिलेवरी सेवा पर भी काम चल रहा है। मप्र के कृषि विभाग ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर सवा करोड़ किसानों की पूरी डिटेल दर्ज कराई है। इसमें किसान की खेती की भूमि का रकबा और उसमें बोई जाने वाली फसलों के साथ ही लगने वाली खाद की भी अनुमानित खपत दी है। कृषि विभाग द्वारा ऑनलाइन खाद की बुकिंग और होम डिलेवरी को लेकर एग्रीस्टेक पोर्टल तैयार करने वाले क्रिस्प के ई-विकास पोर्टल के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह इसके लिए कृषि विभाग ने एक पोर्टल बनाया है। एग्रीस्टेक पोर्टल में आधार नंबर के जरिए किसान का रकबा मोबाइल पर आ जाएगा। उस रकबे के आधार पर फसल का चुनाव करने के बाद आईसीएआर की गाइडलाइन के तहत उस रकबे में किस रिकमंडेशन का डोज दिया है उसका किसान चुनाव कर सकते हैं। उसके बाद किसान को खाद किस रिटेलर के जरिए प्राप्त करना है। उसके लिए पोर्टल पर सरकारी खाद वितरण सोसाइटी और प्रायवेट रिटेलर दिखेंगे।

किसान अपनी इच्छा के अनुसार सहकारी सोसाईटी या प्रायवेट रिटेलर का चयन करके वहां से खाद ले सकेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में किसानों को क्यूआर कोड की तरह ई-टोकन जनरेट होगा। उस ई-टोकन को लेकर किसान चयनित रिटेलर के पास जाएगा और वहां से ई-टोकन के जरिए खाद उठा सकते हैं। किसानों को दो ऑप्शन दिए हैं। अगर किसान सहकारी समितियों के सदस्य हैं तो अपनी समिति से खाद ले सकते हैं। अगर सदस्य नहीं हैं तो प्रायवेट रिटेलर का चुनाव करके वहां से खाद उठा सकते हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

वोटर लिस्ट सुधार या भरोसे की परीक्षा ? एसआइआर के बीच सुप्रीम कोर्ट की एंट्री

अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूची से जितनी बड़ी तादाद में लोगों के नाम बाहर होने की खबरें आई हैं, उसे लेकर कई सवाल उठे हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के संदर्भ में एक सबसे अहम अपेक्षा यह रही है कि इसे पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए। कई तरह के विवादों के बीच विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई एक प्रमुख मांग भी यही है। इस मसले पर निर्वाचन आयोग की यही दलील रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य अपात्र लोगों को बाहर करना है। इसमें स्थान बदलने वाले लोगों से लेकर वैसे लोग भी शामिल होंगे, जिनकी मौत हो चुकी है। इस घोषित मकसद से किसी को आपत्ति नहीं होगी, लेकिन अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूची से जितनी बड़ी तादाद में लोगों के नाम बाहर होने की खबरें आई हैं, उसे लेकर कई सवाल उठे हैं। इसकी जड़ में मुख्य कारण इस समूची प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं किया जाना हो सकता है और इसीलिए आम नागरिकों के बीच तमाम आशंकाएं उभरीं। अगर एसआइआर की प्रक्रिया को शुरू से आखिर तक पूरी तरह पारदर्शी बनाने की व्यवस्था की जाती, तो संभवतः अनावश्यक विवाद नहीं खड़े होते। अब सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस समूची कवायद में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए मतदाताओं का सत्यापन पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हो और इससे लोगों को अनावश्यक तनाव तथा असुविधा न हो। गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान ऐसी तमाम शिकायतें सामने आईं कि मनमाने तरीके से नागरिकों के नाम बाहर किए गए। कई जगहों पर लोगों को समय पर इसकी जानकारी भी नहीं हुई और उनका नाम मतदाता सूची से हट गया। जाहिर है, निर्वाचन आयोग की ओर से यह प्रक्रिया जिस स्तर पर चलाई गई, उसमें मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को सूचित करने और उन्हें अवसर देने को लेकर सवाल उठे। पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम, उपनाम, आयु में गड़बड़ी आदि की वजह से करीब एक करोड़ पच्चीस लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगति नोटिस जारी किया था।

2029 के चुनाव के लिए तैयार है भाजपा के नये अध्यक्ष नितिन नबीन

भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे में आज एक बड़ा ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन आज, 19 जनवरी को, देश की राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस कार्यक्रम को न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया है। अगर सब कुछ तय रणनीति के मुताबिक रहा, तो 20 जनवरी को भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा यानि जब आप यह लेख पढ़ रहे होंगे तब तक नये अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के नाम की घोषणा हो चुकी होगी क्योंकि नितिन नबीन के निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है और ऐसा हुआ तो वे भाजपा के इतिहास में सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाएंगे।

ज्ञात हो कि जेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पार्टी की राष्ट्रीय परिषद और विभिन्न राज्य परिषदों के प्रतिनिधियों वाले एक इलेक्टोरल कॉलेज द्वारा किया जाता है। पूरी प्रक्रिया पार्टी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर की देखरेख में होती है।बीजेपी संविधान के अनुसार, इस पद के लिए उम्मीदवार का नाम किसी राज्य के इलेक्टोरल कॉलेज के कम से कम 20 सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित किया जाना चाहिए। नामांकित व्यक्ति ने पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में चार कार्यकाल पूरे किए हों और उसकी न्यूनतम 15 साल की सदस्यता होनी चाहिए।

संविधान में आगे यह भी कहा गया है कि ऐसा संयुक्त प्रस्ताव कम से कम पांच राज्यों से आना चाहिए जहां राष्ट्रीय परिषद के चुनाव पहले ही पूरे हो चुके हैं।शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम जारी करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने कहा था, 'यदि आवश्यक हुआ तो 20 जनवरी को मतदान होगा और उसी दिन नए बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।'

कौन हैं नितिन नवीन? नितिन नवीन बिहार के एक सीनियर बीजेपी नेता हैं, जिनकी राजनीतिक जड़ें बहुत मज़बूत हैं। पटना में जन्मे, वह स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं - जो एक सम्मानित बीजेपी नेता और पूर्व विधायक थे। अपने पिता की अचानक मौत के बाद उन्होंने एक्टिव राजनीति में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पहचान बनाई।उन्होंने पटना में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। नवीन को राज्य में बीजेपी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता है। उन्होंने 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार चार विधानसभा चुनाव जीते हैं।

हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में, नवीन ने बांकीपुर से शानदार जीत हासिल की, और अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से ज़्यादा वोटों के अंतर से हराया। उनकी लगातार चुनावी सफलता ने पार्टी के अंदर उनकी स्थिति को और मज़बूत किया है। फिलहाल, नवीन बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली छह सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास विभाग संभाल रहे हैं।

यहां यह बताना ज़रूरी है कि नवीन को छत्तीसगढ़ के साथ बीजेपी के गठबंधन को मैनेज करने और छह की चुनावी जीत में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। बिहार के अलावा, नवीन छत्तीसगढ़ में बीजेपी के प्रभारी भी रह चुके हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उनके बढ़ते प्रभाव को दिखाता है।

गौरतलब है कि बीजेपी आलाकमान ने नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का बड़ा फैसला केवल संगठनात्मक स्तर पर नहीं लिया, बल्कि देश की राजनीति को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। संदेश यह कि बीजेपी में नेतृत्व का रास्ता उम्र या वंश नहीं, बल्कि मेहनत, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता से तय होता है। महज 45 वर्ष की उम्र में नितिन नबीन को यह जिम्मेदारी देकर पार्टी ने यह साबित कर दिया है कि बीजेपी भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखते हुए युवा नेतृत्व तैयार करती है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की कमान 83 वर्ष के मल्लिकार्जुन खड़गे के बुजुर्ग कंधों पर है।

बीजेपी में नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने का फैसला एक नियुक्ति नहीं बल्कि बीजेपी में पीढ़ीगत बदलाव की श्रृंखला का प्रतीक भी है। 1980 में स्थापना के बाद पहले अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेताओं के नेतृत्व में पार्टी ने अपनी वैचारिक और सांगठनिक नींव मजबूत की। उनके बाद नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, वेंकैया नायडू, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह जैसी दूसरी पीढ़ी ने धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, योगी आदित्यनाथ, प्रह्लाद जोशी और अनुराग ठाकुर जैसी तीसरी पीढ़ी के साथ मिलकर पार्टी में संगठनात्मक विस्तार कर सत्ता तक पहुंचाया। अब चौथी पीढ़ी के रूप में युवा नितिन नबीन की ताजपोशी के साथ बीजेपी ने औपचारिक रूप से नेतृत्व की कमान सौंप दी है।

नितिन नबीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमित शाह के नाम था, जिन्होंने 49 वर्ष की उम्र में पार्टी की कमान संभाली थी। उनसे पहले नितिन गडकरी 52 वर्ष की उम्र में अध्यक्ष बने थे। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय जनसंघ के दौर में कम उम्र में अध्यक्ष बने थे।

इस फैसले के जरिए बीजेपी ने युवाओं को सीधा संदेश दिया है कि पार्टी में उम्र बाधा नहीं है। बल्कि सामाजिक दृष्टि देखें तो नितिन नबीन कायस्थ समुदाय से आते हैं, जिनकी संख्या चुनावी राजनीति में निर्णायक नहीं मानी जाती। इसके बावजूद उन्हें पार्टी का शीर्ष पद सौंपना यह दर्शाता है कि बीजेपी नेतृत्व चयन में जातिगत गणित से ऊपर उठकर संगठनात्मक क्षमता और राजनीतिक समझ को प्राथमिकता दे रही है। संगठन में काम करने वाला, जमीन से जुड़ा और चुनावी चुनौतियों को समझने वाला कार्यकर्ता शीर्ष तक पहुंच सकता है।

नितिन नबीन का चयन क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है। वह बिहार से आते हैं और पूर्वी भारत से बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। मतलब साफ है कि पार्टी का फोकस केवल हिंदी पट्टी या पश्चिमी भारत तक सीमित नहीं है। बिहार, बंगाल, ओडिशा, असम और उत्तर-पूर्व जैसे राज्यों में बीजेपी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है और नितिन नबीन को नेतृत्व सौंप कर पार्टी इस रणनीति को मजबूती प्रदान करना चाहती है।

पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए एक लाख नए युवाओं को देश की राजनीति में लाने का वादा किया था। दूसरी तरफ आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत समेत संघ पदाधिकारों ने कई बार सार्वजनिक मंचों से युवाओं को नेतृत्व देने की बात कही। नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाना इसी बात का संकेत है।

भले ही नितिन नबीन का अध्यक्षीय कार्यकाल 3 साल का है जो जनवरी 2029 में पूरा होगा लेकिन इतना तो तय है कि 2029 का लोकसभा चुनाव उनके ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उनसे पहले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ही पार्टी ने अमित शाह और फिर जेपी नड्डा के अध्यक्ष कार्यकाल को विस्तार दिया था। यही वजह है कि उनकी टीम में युवाओं और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाने की बात कही जा रही है। पार्टी संगठन में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान है और नई टीम में महिलाओं और युवा चेहरों को आगे लाने की तैयारी है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

फाइल अटकाने की बात को लेकर विवाद ? हार्ट अटैक से मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● बिस्टान स्थित सहकारी सोसायटी में लोन की फाइल रोके जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं द्वारा की गई कथित अभद्रता से आहत असिस्टेंट अकाउंटेंट की बैंक में ही हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक के परिजन एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। इसके चलते पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पुलिस ने शव को मरच्यूरी में रखवाया है। अनीस उद्दीन जिलानी पिछले चार साल से बिस्टान सोसायटी में असिस्टेंट अकाउंटेंट थे। शाखा प्रबंधक श्यामलाल सोलंकी एक माह से अवकाश पर थे, ऐसे में सोसायटी का प्रभार जिलानी के पास था। आरोप है कि बन्हेर सोसायटी से जुड़े खाताधारक और पूर्व भाजपा जिला महामंत्री चंदरसिंह वास्कले, भाजपा कार्यकर्ता भूपेंद्र नायक और आकाश ठाकुर सोसायटी पहुंचे।

इन्होंने शाखा प्रबंधक के केबिन में बुलाकर जिलानी से माफी मंगवाई और अभद्र व्यवहार किया। कहा कि 15 दिन से लोन फाइल अटका कर रखी है। इस दौरान जिलानी का ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ गया। वे कुर्सी तक पहुंचे ही थे कि उन्हें हार्ट अटैक आ गया। स्टाफ उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

निर्माणाधीन ओवरब्रिज से गिरे बाइक सवार, शराब के नशे में होने का शक

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● मंगलवार देर शाम निर्माणाधीन तीन पुलिया ओवरब्रिज पर हादसा हो गया। बाइक सवार दो चचेरे भाई अधूरे पुल से नीचे गिर गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इनमें एक की हालत गंभीर है। परिवार की दो और बाइकें पीछे थी, लेकिन हादसा देखकर वे संभल गए। सभी लोग खरगोन के रहने वाले हैं। शहर के अधूरे विकास से अनजान थे।हादसे में घायल कमल पिता मोहन (40), बलवंत पिता सोहन बेसुध (30) निवासी ग्राम पिपरखेड़, जिला खरगोन के रहने वाले हैं।बलवंत

को दाढ़ी और सिर में गंभीर चोटें हैं। वहीं कमल के पैर और कमर में चोट आई हैं। दोनों करीब 50 फीट की ऊंचाई से बाइक सहित नीचे गिरे हैं। परिजनों के मुताबिक, परिवार के एक अन्य भाई विजय डावर के खंडवा के दगड़कोट गांव निवासी ससुर का निधन हो गया था। जिनका आज मंगलवार को तेरहवीं का कार्यक्रम था। सभी लोग तेरहवीं कार्यक्रम से वापस खरगोन लौट रहे थे। इधर, मामले में सेतु विकास निगम और कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही सामने आई हैं। निर्माणाधीन ओवरब्रिज पर बैरिकेडिंग तक नहीं थी। घटना गणेश तलाई और इंदिरा चौक जाने वाले रास्ते पर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पास हुई है। बाइक सवार टैगोर पार्क से तीन पुलिया जाने की ओर जाने के लिए ओवरब्रिज पर चढ़े थे। 20 मीटर की चढ़ाई चढ़ते ही अधूरे पुल से बाइक सहित दोनों लोग गिर गए।

ठेला कारोबारियों की रोजी पर संकट, गेस्ट हाउस संचालकों के दबाव में हटाने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में वर्षों से हाथ ठेलों पर छोटा व्यवसाय कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे 15 गरीब दुकानदारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। नगर निगम और प्रशासनिक अमले पर जबरन ठेले हटाने और धमकाने का आरोप लगाते हुए दुकानदारों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है। दुकानदारों का कहना है कि, वे गजानन आश्रम के सामने ओमकार प्रसादम् मार्ग में पिछले करीब 10 वर्षों से व्यवसाय कर रहे हैं। इसी स्थान पर हर साल मेला भी लगता है और नगर परिषद द्वारा ठेले लगाने की रसीदें भी काटी जाती रही हैं। आवेदन में बताया गया कि 30 दिसंबर 2025 को बिना किसी पूर्व सूचना के नगर निगम का अमला जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचा और ठेले हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। विरोध करने पर दुकानदारों को दोबारा ठेला लगाने पर कार्रवाई और सामान जब्त करने की धमकी दी गई। दुकानदारों का कहना है कि उनके पास आय का कोई अन्य साधन नहीं है और यह कार्रवाई उनके पूरे परिवार को भूखमरी की स्थिति में धकेल सकती है। दुकानदारों ने यह भी उल्लेख किया कि पूर्व में आईएएस सीएमओ डॉ श्रीकृष्ण सुशीर ने सीमांकन कर ले-आउट बनाकर ठेले लगाने की अनुमति दी थी। इसके बावजूद अब दोबारा बिना जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्था के हटाने का प्रयास किया जा रहा है। वे नगर परिषद को निर्धारित किराया देने को तैयार हैं।

कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन, शकर कारखाना में काली पट्टी बांधकर किया काम

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● नवलसिंह सहकारी शकर कारखाना के 150 से अधिक कर्मचारियों ने मंगलवार को काली पट्टी बांधकर काम किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया। वे दोपहर में कारखाना एमडी के बंगले के सामने भी पहुंचे। कर्मचारियों ने मंगलवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया है, जो 28 जनवरी तक चलेगा। आंदोलन के पहले दिन दोपहर 2 बजे की शिफ्ट में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर काम किया। आंदोलन के तहत, 21 जनवरी को कारखाना गेट पर प्रदर्शन होगा। 22 जनवरी को क्रमिक भूख हड़ताल की जाएगी। इसके बाद, 27 जनवरी को एक घंटे के लिए 'नो वर्क ड्यूटी' की जाएगी, और 28 जनवरी को 'स्लो डाउन' किया जाएगा। यह आंदोलन राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक द्वारा शुरू किया गया है। इसका मुख्य कारण नवलसिंह सहकारी शकर कारखाना प्रबंधन और श्रमिक संघ के बीच 15 अक्टूबर 2023 को हुए समझौते का पालन न होना है।

इंटक अध्यक्ष ललित कश्यप ने बताया कि कारखाने में कार्यरत श्रमिक कर्मचारियों को जुलाई 2023 से शासन द्वारा स्वीकृत महंगाई भत्ता नहीं मिला है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2022-23 में हुए समझौते का भी उल्लंघन किया गया है। कश्यप के अनुसार, 15 अक्टूबर 2023 को अन्य समस्याओं के संबंध में एक समझौता हुआ था। तीन माह बीत जाने के बाद भी समझौते का पालन नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। संघ ने औद्योगिक शांति भंग न हो, इसके लिए समय-समय पर प्रबंधन और प्रशासन को अवगत कराया था, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

स्कूलों में लगी आरओ यूनिट, सांसद पाटिल ने किया शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले के 25 शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) यूनिट स्थापित की गई हैं। यह सुविधा खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील की पहल पर उपलब्ध कराई गई है। आरओ यूनिट स्थापना कार्यक्रम के तहत भाजपा युवा नेता गजेंद्र पाटील ने एक शासकीय विद्यालय में विधिवत पूजा-अर्चना कर यूनिट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आरओ यूनिट लगने से विद्यार्थियों को दूषित जल से होने वाली बीमारियों से बचाया जा सकेगा। शुद्ध पानी

उपलब्ध होने से छात्रों के स्वास्थ्य में सुधार होगा और विद्यालयों में स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा। जानकारी दी गई कि आने वाले समय में जिले के अन्य शासकीय विद्यालयों में भी इसी प्रकार की आरओ यूनिटें स्थापित की जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी सोच के तहत स्कूलों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। इन पेयजल यूनिटों से संबंधित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित पानी उपलब्ध होगा।

जिपं अध्यक्ष पति पर रिश्वत-बदनामी की धमकी के आरोप, शिकायत सीएम हेल्पलाइन पहुंची

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिला पंचायत की अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, जो सोशल मीडिया पर चिट्ठियां पोस्ट कर अफसरों और पंचायतों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती रही हैं, अब खुद विवादों के घेरे में आ गई हैं। गांव-गांव जाकर निरीक्षण के बाद शिकायती पत्र लिखने वाली अध्यक्ष पर अब सरपंचों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप सीधे अध्यक्ष पति सुदेश वानखेड़े पर हैं। वो भी पैसे मांगने, दबाव बनाने और बदनामी की धमकी देने के। सरपंचों ने सीएम हेल्पलाइन पर बाकायदा शिकायत दर्ज कराई है और सबूत के तौर पर फोन पर हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। उधर, मामला सामने आने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि मैडम निरीक्षण के दौरान मिली कथित खामियों पर तत्काल कार्रवाई करने की बजाय, उन्हें हफ्तों बाद सोशल मीडिया पर पत्र के जरिए क्यों उजागर करती हैं। इतना ही नहीं, इसका बाकायदा स्मरण पत्र भी जारी करती हैं। अब अध्यक्ष के पत्र और सरपंचों के आरोप आमने-सामने हैं। जनपद पंचायत के तहत आने वाली ग्राम पंचायत ढोढ़वाड़ा के सरपंच पति धरमचंद सावनेर ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की। 27 दिसंबर को हुई शिकायत में सरपंच पति ने आरोप लगाया कि उनके यहां ग्राम पंचायत भवन का निर्माण 36 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। नवंबर महीने में जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े ने दौरा किया था। आरोप है कि घटिया मटेरियल बताकर 50 हजार रुपए की डिमांड की गई। सचिव को 10 हजार रुपए लेकर उनके बंगले पर भेजा तो अध्यक्ष ने मना कर दिया। कहा कि 50 हजार रुपए लेकर आओ। जब सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की तो दो दिन बाद 29 दिसंबर को अध्यक्ष ने एक शिकायती पत्र सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसमें ग्राम पंचायत भवन के निर्माण में अनियमितता बताई गई और मामले की शिकायत लोकायुक्त और पंचायत मंत्री से की गई। दूसरा, मामला शहर से सटी ग्राम पंचायत नाहल्दा का है।

टीम इंडिया पहले टी20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

नागपुर (एजेंसी) • सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को यहां पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर अगले माह होने वाली टी20 सीरीज के लिए लय हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टी20 में अच्छा रहा है पर सूर्यकुमार के बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऐसे में सूर्यकुमार का लक्ष्य इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर टी20 विश्वकप के लिए फार्म हासिल करना रहेगा। सूर्यकुमार ने साल 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद से ही भारतीय टीम को अधिकतर मुकाबलों में जीत मिली है।

पिछले दो साल में भारतीय टी20 टीम को कुछ मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में भी वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम को हालांकि बल्लेबाजी तिलक वर्मा की कमी खलेगी। तिलक सर्जरी के कारण इस इस मैच में नहीं खेलेंगी। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम भी काफी अच्छी है। इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा हालांकि उसकी राह इतनी आसान नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। टीम के पास अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाज और वरुण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। वहीं न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल 13 में जीत हासिल की है। उसके पास आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे हैं। टीम के पास कप्तान मिचेल सैंटनर जैसा स्पिनर और जैकब डफी जैसा तेज गेंदबाज है। अच्छी फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के रहने से टीम काफी मजबूत हुई है। तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क इस मैच में रहेंगे।

फिल्म 'एक दिन' से रखा साई पल्लवी ने हिंदी सिनेमा में कदम

मुंबई (एजेंसी) •एक बिल्कुल जादुई, सौम्य और क्लासिक प्रेम कहानी को दर्शाते हुए, फिल्म 'एक दिन' का टीज़र जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की प्यारी, सहज और नई जोड़ी नजर आ रही है। टीज़र इस खूबसूरत प्रेम कथा की मनमोहक झलकियों से भरा हुआ है, जो दर्शकों के लिए किसी खास तोहफे से कम नहीं है। खास बात यह है कि इसी फिल्म के जरिए साई पल्लवी हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं और पहली ही झलक में दर्शकों का दिल जीत रही हैं। साई पल्लवी सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में अपने अभिनय से खास पहचान बनाई है और अब वे हिंदी फिल्मों में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके अलावा, वे आने वाली अब तक की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक रामायण में रणबीर कपूर के साथ भी नजर आएंगी। लेकिन उससे पहले, दर्शक उन्हें एक दिन में देखेंगे, जहां वे इस प्रेम कहानी में एक बेहद मासूम और प्यारी लड़की की भूमिका निभा रही हैं।

कंगना ने किया मसाबा गुप्ता के साथ हुए भेदभाव का खुलासा

मुंबई (एजेंसी) • सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कंगना रनौत ने एक लंबा पोस्ट शेयर किया, जिसमें फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता के साथ हुए भेदभाव का खुलासा किया है। ताजा पोस्ट में कंगना ने फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता के कपड़े पहनने से जुड़े पुराने अनुभव का खुलासा करते हुए बताया कि जब वह अपनी फिल्म 'तेजस' के प्रमोशन के दौरान राम जन्मभूमि दर्शन के लिए जा रही थीं, उन्होंने उसी स्टाइलिस्ट से मदद मांगी जो उन्हें फिल्म इवेंट्स के लिए स्टाइल कर रही थी। उन्होंने पूछा कि क्यों मशहूर डिजाइनर और उनके ब्रांड उनके तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर नहीं करते। कंगना ने लिखा कि कई डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स ने उन्हें अपने हैंडल्स से बैन कर रखा था, लेकिन मसाबा गुप्ता के साथ हुई घटना ने उन्हें सबसे ज्यादा दुख पहुंचाया।

रूपेश-शशिकला सबसे तेज धावक, वीरेन्द्र ने भी पाया पहला स्थान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पीएमबी गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का समापन हुआ। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम सहित कई प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। क्रिकेट स्पर्धा के मैचेस अभी जारी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिनेश माहेश्वरी और खेल प्रभारी डॉ. संजय भावसार ने बताया कि महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव के अंतर्गत इन स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। एथलेटिक्स में 50 मीटर दौड़ के बॉयज वर्ग में रूपेश कौशल विनर रहे। लवित जैन दूसरे स्थान पर और जयसिंह चंद्रावत तीसरे स्थान पर रहे। 50 मीटर गर्ल्स वर्ग की दौड़ शशिकला चौहान ने जीती। प्राची सलावत दूसरे स्थान पर और महक पाचानी तीसरे स्थान पर रही। 100 मीटर बॉयज में रूपेश कौशल प्रथम, लवित जैन द्वितीय व रोहन आर्य तृतीय और गर्ल्स में शशिकला चौहान प्रथम, अंशी पटेल द्वितीय व प्राची सलावत तृतीय रही। 200 मीटर दौड़ में बॉयज में वीरेन्द्र देवड़ा प्रथम, जयसिंह चंद्रावत द्वितीय व मोहित साहू तृतीय रहे। बैडमिंटन बॉयज में लवित जैन विजेता और प्रतीक कुशवाह उपविजेता और गर्ल्स में प्रकृति सैनी विजेता और शशिकला चौहान उपविजेता रही। डबल्स मैचेस में बॉयज में लवित जैन व तिलक पाटोद की जोड़ी विजेता और प्रतीक विश्वकर्मा व गिलक्रिस्ट डावर उपविजेता और गर्ल्स में प्राची सलावट व शशिकला चौहान की जोड़ी विजेता और वैष्णवी कुशवाह व प्रणिका रघुवंशी उपविजेता रही।

साइना नेहवाल ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी) • बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने अपने संन्यास का ऐलान कर दिया है। लंब समय से चली आ रही घुटने की गंभीर समस्या और रिकवरी न हो पाने की स्थिति ने आखिरकार उन्हें संन्यास लेने पर मजबूर कर दिया। साइना नेहवाल ने प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर अब एलीट खेल की मांगों के अनुरूप उनका साथ नहीं दे रहा है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 2023 सिंगापुर ओपन में खेला था। साइना नेहवाल ने एक पॉडकास्ट में कहा, '' मैने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था। मुझे लगा कि मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही विदा लूंगी तो घोषणा करने की जरूरत ही नहीं थी।''

उज्जैन संभाग

शंकराचार्य पद तभी मान्य...जब 13 अखाड़े चादर ओढ़ाएं: अखाड़ा परिषद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थकों और पुलिस के बीच हुए टकराव ने संत समाज को भी दो हिस्सों में खड़ा कर दिया है। इस घटनाक्रम पर पहली बार उज्जैन से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरिगिरि महाराज का बयान आया है। उन्होंने न सिर्फ घटना को चिंताजनक बताया, बल्कि शंकराचार्य के पद और अखाड़ों की परंपरा को लेकर भी सीधे सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पद को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वे जिस पद पर आसीन हुए हैं, उसमें अभी अखाड़ा परिषद की ओर से उन्हें चादर ओढ़ाना बाकी है। हमारी परंपरा है कि समस्त 13

अखाड़े मिलकर एक साथ चादर ओढ़ाते हैं। जब समाज और अखाड़े आपको चादर ओढ़ाएंगे, तभी आप पूरे समाज के शंकराचार्य होंगे और समाज आपको पूरी तरह स्वीकार करेगा। हरिगिरि महाराज ने कहा कि माघ मेले की घटना बेहद दुखद और चिंताजनक है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। यह पूरा मामला जांच का विषय है। उन्होंने साफ कहा कि टकराव से किसी का सम्मान नहीं बढ़ता, न साधु-संतों का और न प्रशासन का। इस घटनाक्रम के बाद प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थन में साधु-संत लगातार धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे माघ मेले का माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है। महामंत्री ने इस मामले में मेला प्रशासन को क्लीन चिट देते हुए कहा कि मेले में तैनात विकास प्राधिकरण अध्यक्ष और अन्य अधिकारी सभी नारायण और त्रिवेणी के उपासक हैं। वे धर्म और प्रयागराज की मर्यादा को समझते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वीआईपी घाट पर स्नान को लेकर हाईकोर्ट की दिशा-निर्देश पहले से मौजूद हैं। ऐसे में विवाद से बचना ही सबसे बेहतर रास्ता था। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का गहरा दुख है कि प्रयागराज जैसे पवित्र तीर्थ की गरिमा को ठेस पहुंची। गलती कहां हुई, यह गंभीरता से देखा जाना चाहिए। इससे पहले, सोमवार को प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि 'शंकराचार्य वह होता है जिसे बाकी तीन पीठ शंकराचार्य कहते हैं। दो पीठ हमें शंकराचार्य मानती हैं।' पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत है। क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा। शंकराचार्य का निर्णय शंकराचार्य करेगा। पुरी के शंकराचार्य ने हमारे बारे में कुछ नहीं कहा। वो साइलेंट हैं। हम निर्विवाद रूप से ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं।

बालगृह से दो नाबालिग फरारग्रिल तोड़ी और खिड़की से भाग निकले; पुलिस ने शुरू की तलाश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नागझिरी थाना क्षेत्र अंतर्गत लालपुर स्थित सरकारी बालगृह से मंगलवार तड़के दो नाबालिग बालक फरार हो गए। दोनों बच्चों ने वाशरूम जाने का बहाना बनाकर कमरे से निकले। वाथरूम की ग्रिल तोड़ी और भाग निकले। घटना सुबह करीब 5 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार फरार नाबालिगों में एक की उम्र 13 वर्ष और दूसरे की उम्र 15 वर्ष है। इनमें से एक बच्चा करीब तीन माह पहले बालगृह में आया था, जबकि दूसरा लगभग एक वर्ष से वहीं रह रहा था। बताया जा रहा है कि पहले एक नाबालिग ने वाशरूम जाने की बात कहकर अंदर प्रवेश किया और वहां लगी ग्रिल तोड़कर फरार हो गया। कुछ देर बाद दूसरा नाबालिग भी वाशरूम गया और वापस नहीं लौटा। बालगृह में बच्चों की गिनती की गई तो दो नाबालिग गायब पाए गए। इसके बाद तत्काल नागझिरी पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के इलाकों और संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई बार सरकारी बालगृह से बच्चे फरार हो चुके हैं, जिससे बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुलिस के अश्वदल के साथी 'हीरा' की मौत, दिया गार्ड ऑफ ऑनर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • पिछले 20 वर्षों से भगवान महाकाल की सवारी में शामिल होने वाला पुलिस का अश्व 'हीरा' अब नहीं रहा। लंबी बीमारी के बाद 29 वर्षीय अश्व हीरा की मंगलवार को मौत हो गई। हीरा को पुलिस लाइन में सशस्त्र बल की टुकड़ी ने सलामी देकर अंतिम विदाई दी। वह पुलिस के अश्व दल का सदस्य था। हीरा 5 वर्ष की उम्र में उज्जैन पुलिस के अश्व दल में शामिल हुआ था। करीब 25 वर्षों के सेवा काल में उसने अनुशासन और समर्पण के साथ कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वह उज्जैन में आयोजित भगवान महाकाल की सवारी, श्रावण-भादौ मास के आयोजनों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कानून व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण, वीआईपी एवं वीवीआईपी ड्यूटी जैसे अनेक अवसरों पर पुलिस बल के साथ तैनात रहा। 'हीरा' को पुलिस लाइन में सबसे शांत स्वभाव,

अनुशासनप्रिय और विश्वसनीय अश्व के रूप में जाना जाता था। कई दिनों से वह गंभीर रूप से बीमार था। इस दौरान उसके केयर टेकर और पशु चिकित्सकों ने लगातार उसकी सेवा और इलाज किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। हीरा का अंतिम संस्कार पुलिस लाइन परिसर में किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सशस्त्र बल की टुकड़ी ने सलामी देकर अपने विश्वसनीय साथी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बेटे की हत्या कर एक्सीडेंट बताया गया, पैसों के लेनदेन में दो युवकों ने की मारपीट

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा • जिले के ग्राम कबीरखेड़ा में एक युवक की मौत ने तूल पकड़ लिया है। मृतक के पिता ने पुलिस अधीक्षक (स्क्र) को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनके बेटे की मौत कोई सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या है। मंगलवार को मृतक गोविन्द मालवीय के पिता मदनलाल ने बताया कि 17 जनवरी की सुबह उनका बेटा गांव के ही एक युवक के साथ पिपलोनकलां गया था। रात करीब 9 बजे उन्हें खबर मिली कि गोविन्द का एक्सीडेंट हो गया है।

पैसों के लेनदेन और मारपीट का आरोप

मदनलाल मालवीय का आरोप है कि राहुल मालवीय और शक्ति सिंह नाम के दो व्यक्ति पूरे दिन गोविन्द के साथ थे। उनका दावा है कि पैसों के लेनदेन को लेकर गोविन्द के साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी जान चली गई। बाद में इस मामले को छुपाने के लिए इसे एक्सीडेंट का रूप दे दिया गया। परिजन ने संदेह जताया है कि गोविन्द का मोबाइल फोन भी उन्हीं लोगों के पास है जो घटना के समय उसके साथ थे। साथ ही, घटना के बाद से ही दोनों संदिग्धों का गायब होना और परिजनों से संपर्क न करना उनके शक को और गहरा कर रहा है। पिता का कहना है कि पुलिस पूछताछ में एक आरोपी ने यह माना है कि घटनास्थल पर झगड़ा हुआ था। पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस मामले में आरोपियों की कॉल डिटेल और सोशल मीडिया गतिविधियों की बारीकी से जांच की जाए। उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई है कि सच्चाई सामने लाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

25 जनवरी को कोठी रोड पर राहगीरी आनंदोत्सव, सीएम यादव होंगे शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 जनवरी को अपने दिन की शुरुआत कोठी रोड पर आयोजित 'राहगीरी आनंदोत्सव' में शामिल होकर करेंगे। इस मौज-मस्ती और स्वास्थ्य पूर्ण गतिविधियों से जुड़े आयोजन में मुख्यमंत्री पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहेंगे। तरणताल से कोठी रोड तक आयोजित होने वाले राहगीरी उत्सव की तैयारियों को नगर निगम द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके तहत कोठी रोड तक दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी की जा रही है, पेड़-पौधों की ट्रिमिंग कराई जा रही है और पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं। प्रभारी आयुक्त संतोष टैगोर ने बताया कि नगर निगम से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें राहगीरी के पूरे मार्ग पर मरम्मत एवं पैच वर्क, सफाई व्यवस्था, पेड़-पौधों की ट्रिमिंग, दीवारों पर वॉल पेंटिंग व स्वच्छता से जुड़े स्लोगन, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता ब्रांडिंग, पेवर ब्लॉक का संधारण, पेयजल सुविधा, चलित शौचालय और मंच व्यवस्था सहित अन्य सभी जरूरी काम शामिल हैं। 'राहगीरी आनंदोत्सव' में पारंपरिक खेलों के साथ कई मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें अंटी (कंचे), रस्सीकूद, बोरा दौड़ और सितोलिया जैसे खेल शामिल होंगे। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत हरियाणवी और मालवी नृत्य, गरबा, कथा सागर, अखाड़ा प्रदर्शन, एरोबिक, योग, बॉडी बिल्डिंग और मलखंभ का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अवैध पटाखा निर्माण पर प्रशासन की बड़ी संयुक्त कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में अवैध विस्फोटक गतिविधियों के विरुद्ध जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में ग्राम जलोदिया पार में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री पर प्रशासन द्वारा आज बड़ी कार्रवाई की गई है। बिना लाइसेंस और सुरक्षा इंतजामों के चल रही इस अवैध पटाखा फैक्ट्री को जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पकड़ा गया है। कार्रवाई के दौरान फटाका निर्माण में प्रयुक्त होने वाली बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जप्त की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में की गई है। जिले के ग्राम जलोदिया पार में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री संचालित होने की सूचना जिला प्रशासन को प्राप्त हुई थी। उक्त अवैध गतिविधि विस्फोटक अधिनियम एवं अन्य संबंधित नियमों का उल्लंघन की श्रेणी में आता है।

राज भाषा सम्मेलन में विशाल आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मंगलवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा मध्य, पश्चिम, दक्षिण और दक्षिण पश्चिम क्षेत्र का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूरे देश के लगभग 1500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर गृह मंत्रालय के निर्देशन में शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इंदौर के द्वारा एक विशाल चिकित्सा शिविर एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, शिविर में 47 चिकित्सकों ने सेवा दी। अलग-अलग विधाओं के चिकित्सकों ने मरीजों का इलाज किया एवं उनको परामर्श दिया गया। प्राचार्य डॉक्टर अजीत पाल सिंह चौहान ने बताया कि शिविर में लगभग 700 मरीज ने अपनी समस्याओं का समाधान किया और उनको दवाइयां वितरित की गई, एग्जीबिशन में प्रकृति परीक्षण द्वारा मरीजों की प्रकृति का आकलन किया गया।

हाईकोर्ट को आशंका : भागीरथपुरा कांड केवल दूषित पानी से कैसे, कोई केमिकल तो नहीं, शासन ने पुलिस चौकी के टॉयलेट को बताई वजह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा कांड को लेकर हाईकोर्ट में डेढ़ घंटे तक बहस चली। इसमें याचिकाकर्ताओं ने उच्च स्तरीय कमेटी को आंखों में धूल झोंकने वाला बताया। साथ ही कहा कि अभी तक किसी पर भी आपराधिक केस नहीं हुआ, यही काम बावड़ी कांड में हुआ था। हाईकोर्ट में इस घटना का कारण शासन ने पुलिस चौकी के ट्वायलेट को बताया, हाईकोर्ट ने केमिकल की आशंका जताई। इसमें मौतों के आकंड़ों पर भी आपत्ति हुई और मुआवजा नहीं देने और केवल राहत राशि दो-दो लाख पर भी आपत्ति ली गई।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौत को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिकाओं पर 20 जनवरी मंगलवार को डेढ़ घंटे तक लंबी बहस चली। इसका घटना का कारण शासन ने पुलिस चौकी के ट्वायलेट को बताया। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि क्या इससे पानी इतना दूषित हो सकता है, कहीं कोई केमिकल तो नहीं मिला। लेकिन पूरी बहस में कोई ठोस कारण सामने नहीं आ सका। उधर मौत, मुआवजे के साथ ही उच्च स्तरीय कमेटी पर भी याचिकाकर्ताओं ने तगड़ी बहस की। सीएस अनुराग जैन वीसी के जरिए उपस्थित रहे।

भागीरथपुरा में गंदे पानी को लेकर जैसा कि सबसे पहले द सूत्र ने बड़ा कारण बताया था कि पुलिस चौकी के ट्वायलेट से लीकेज मैन लाइन में गया। यही बात शासन द्वारा औपचारिक तौर पर मंगलवार 20 जनवरी की सुनवाई में रखी गई। इस पर हाईकोर्ट जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने कहा कि सीवरेज व वाटल लाइन कई जगह मिलती है, लेकिन क्या इतना अधिक इससे पानी दूषित हो सकता है कि जान चली जाए। कहीं कोई केमिकल तो नहीं मिला। क्या ठोस कारण रहा, क्या यह सामने आया। इस पर शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि यह कुछ कारणों में से एक रहा, बोरवेल में भी पानी दूषित आया, जो मैन लाइन में मिला। वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया ने कहा कि कान्ह नदी के किनारे यह भागीरथपुरा है. यहां से दूषित पानी बोरिंग में गया और फिर सीवेरज लाइन और नर्मदा लाइन में मिला, जिससे यह घटना हुई। ओवरआल अभी तक इस घटना का कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है।

अभी तक किसी अधिकारी पर कोई केस नहीं

अधिवक्ता मनीष यादव ने कहा कि पहले जिम्मेदार पर एफआईआर होना चाहिए, जांच कमेटी काम करती रहे। इसके पहले बावड़ी हादसे में किसी अधिकारी कर्मचारी पर कार्रवाई नहीं हुई, जिन्हें सस्पेंड किया तो उन्हें बाद में बहाल कर दिया गया।

मुआवजा में एक रुपए भी नहीं दिया गया

अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल ने कहा कि अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है केवल दो-दो लाख की राहत राशि दी गई है। जबकि जबलपुर में दस लाख दिए, वहीं कहीं बस नहर में गिरती है तो पांच-पांच लाख देते हैं। बागडिया ने भी कहा कि केवल राहत राशि दी वह भी रेडक्रास द्वारा, शासन ने कुछ नहीं दिया।

उच्च स्तरीय कमेटी पर नहीं भरोसा

शासन द्वारा बताया गया का चार सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है। यह एक माह में अधिकतम रिपोर्ट देगी। सीएस अनुराग जैन ने बताया कि कमेटी में संभागायुक्त को भी रखा है। साथ ही मानीटरिंग लेवल में निगम स्तर पर संभागायुक्त देख रहे हैं, फिर एसीएस संजय दुबे देख रहे हैं और उनसे डे टू डे बेस पर मैं जानकारी ले रहा हूं। कमेटी के काम की जानकारी देते हुए बताया कि यह भी देखेगी किस अधिकारी कर्मचारी की लापरवाही से यह हुआ है। इस पर बागडिया ने आपत्ति लेते हुए कहा कि कमेटी केवल अधिकारियों को बचाने के लिए बनी है। उपहार सिनेमा हो या फिर दक्षिण में भगदड़ केस वहां तत्काल अधिकारियों को हटाया गया और गैर इरादतन हत्या के केस हुए। लेकिन यहां पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जब सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो फिर सीनियर अधिकारी क्या करेंगे। इन पर हमे कोई भरोसा नहीं है। इसलिए हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस की अध्यक्षता में जांच कमेटी बने या फिर जैसा हाईकोर्ट उचित समझे, उनकी मानीटरिंग में कमेटी रहे, जो सीधे उन्हें रिपोर्ट दे।

भागीरथपुरा में मौत महामारी से मानी, लेकिन मुआवजा नहीं, जबलपुर सड़क हादसे में 10-10 लाख दिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों पर मुआवजा अभी तक नहीं दिया गया है। यह चौंकाने वाली बात है। बड़े हादसों में सरकार तत्काल मुआवजा घोषित करती है, लेकिन इंदौर भागीरथपुरा कांड में अभी तक एक रुपए का मुआवजा नहीं दिया गया है।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से अभी तक 23 मौत हो चुकी है और 447 अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। इस मामले में शासन खुद हाईकोर्ट में एपिडेमिक से 15 मौतों को मान चुका है। प्रशासन द्वारा 21 मृतकों के परिजन को दो-दो लाख दिए गए, लेकिन वह मुआवजा नहीं, केवल राहत राशि है। अस्पतालों के बिल के भुगतान का भी बोझ रेडक्रॉस पर ही आ रहा है। शासन स्तर पर राशि जारी नहीं हुई। कांग्रेस पीड़ितों को अपनी ओर से डेढ़-डेढ़ लाख दे चुकी है।

इंदौर भागीरथपुरा में दूषित पानी से अभी तक 23 मौत हो चुकी हैं। वहीं, इतने बड़े कांड के बाद भी किसी भी पीड़ित को कोई मुआवजा राशि नहीं दी गई है। प्रशासन के जरिए जो दो-दो लाख रुपए दिए गए हैं। वह रेडक्रॉस से दी गई राहत राशि मात्र है, ना कि मुआवजा। खुद जिला कलेक्टर शिवम वर्मा कह चुके हैं कि पीड़ित क्षेत्र में हुई मौतों पर हम राहत राशि दे रहे हैं। हाईकोर्ट में भागीरथपुरा मामले में मंगलवार 20 जनवरी को सुनवाई है। इसमें सीएस अनुराग जैन फिर अपनी बात रखेंगे।

जब चाइनीज मांझे में गैर-इरादतन हत्या केस

हाईकोर्ट की डबल बैंच ने हाल ही में इंदौर में चाइनीज मांझे पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा कि चाइनीज मांझे के उपयोग से जान जाने पर लापरवाही से जान लेने का केस दर्ज किया जाए। इसके लिए धारा 106(1) के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। इस संबंध में कलेक्टर ने भी आदेश दिए थे। फिर इतने बड़े भागीरथपुरा कांड में यह क्यों लागू नहीं होता है? इसका भी कोई जवाब नहीं है।

राजस्व बुक सर्कुलर में यह नियम

राजस्व बुक सर्कुलर (आरबीसी) के नियम 6(4) के तहत प्राकृतिक घटनाओं में मुआवजे का प्रावधान है। यह न्यूनतम 4 लाख रुपए है। यह भी तर्क रखा जा रहा है कि यह प्राकृतिक घटना नहीं है, इसलिए इसमें मुआवजे का प्रावधान इस धारा में नहीं किया जा सकता है। इसमें दो बातें हैं: यदि इसे प्राकृतिक नहीं मानते तो फिर डेथ ऑडिट रिपोर्ट में एपिडेमिक से मौत क्यों माना गया है? एपिडेमिक यानी महामारी तो प्राकृतिक होती है। यदि आप प्राकृतिक नहीं मान रहे तो सीधी बात है कि यह नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों की गलती से हुआ मानववध यानी गैर-इरादतन हत्या है। फिर इन पर अभी तक केस क्यों नहीं कराया गया है? वहीं, मुआवजा मुख्यमंत्री फंड से भी दिया जाता है।

हेलमेट नहीं पहनने वालों पर चालानी कार्रवाई, 2000 लोगों के बनाए चालान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में हेलमेट नहीं पहने वाले दो पहिया वाहन चालकों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एक साथ 2000 से ज्यादा वाहन चालकों के चालान बनाए गए हैं। प्रत्येक वाहन चालक से 300 रुपए लिए गए। यह राशि स्वैप मशीन से ली गई। करीब सात घंटे तक अमला कार्रवाई में लगा रहा। कार्रवाई से 6 लाख रुपए वसूले गए। इस दौरान लोग जमकर भड़कते नजर आए और इसे पुलिस की मनमानी बताया है।

शहर में जागरूकता अभियान के बाद अब पुलिस सख्ती कर रही है। हेलमेट नहीं पहनने पर चालान किया जा रहा है। पलासिया चौराहे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 2000 पर चालान बनाए गए हैं। इस दौरान लोग बेहद गुस्से में नजर आए और इसे पुलिस की तानाशाही बता रहे हैं। खासकर महिला वाहन चालक इसमें ज्यादा घिर गईं, इनकी काफी बहस हुई है। डीसीपी ने कहा कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इंदौर में हेलमेट को लेकर एक बार फिर ट्रैफिक पुलिस ने मैदान पकड़ा है। साथ ही, जमकर धरपकड़ की है। प्रमुख चौराहों पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस तैनात रही, लेकिन मुख्य तौर पर कार्रवाई पलासिया चौराहे पर हुई है। यहां पर बिना हेलमेट निकलने वाले सभी वाहन चालकों को रोका गया था।

कार्रवाई लगातार जारी रहेगी

सीपी संतोष सिंह ने कहा कि लंबे समय से ट्रैफिक को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा था। इसके बाद अब कार्रवाई शुरू की गई है। हेलमेट सुरक्षा के लिए जरूरी है। कुछ महीनों में दो हजार लोगों को निशुल्क हेलमेट भी जनभागीदारी से बांटे गए हैं। वहीं ट्रैफिक डीसीपी आनंद कलादगी ने कहा कि एक दिन में दो घंटे में 600 चालान बने हैं। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जागरूकता अभियान के लिए भी दो रथ चल रहे हैं। यह सुरक्षा के लिए जरूरी कदम है।

मोर्चों से जुड़े नेता और कार्यकर्ताओं को नए दायित्वों की आस, केंद्रीय नेतृत्व की स्वीकृति में देरी के चलते अटका मामला

भाजपा के 6 मोर्चा अध्यक्ष घोषित, कार्यकारिणी का अब भी इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश भाजपा में संगठन विस्तार की प्रक्रिया गति नहीं पकड़ पा रही है। करीब पांच महीने बीत जाने के बाद भी प्रदेश के सभी जिलों की कार्यकारिणी घोषित नहीं हो सकी है। इसी तरह पार्टी की सबसे अहम इकाइयों-युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा तथा अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति मोर्चा की कार्यकारिणी का गठन भी अब तक अधूरा है। अल्पसंख्यक मोर्चा को छोड़कर अन्य सभी मोर्चों के अध्यक्षों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन उनके साथ काम करने वाली टीमों का इंतजार अब भी बना हुआ है। भाजपा संगठन में मोर्चों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। पिछले वर्ष नवंबर में इन प्रमुख मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों का चयन कर लिया गया था। इसके साथ ही पूर्व की कार्यकारिणियां स्वत: भंग हो गई थीं। इसके बाद से ही मोचर्चों से जुड़े सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता नए दायित्वों की आस लगाए बैठे हैं। प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक कार्यकारिणियों का गठन होना है, लेकिन यह प्रक्रिया फिलहाल ठप नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार, भले ही मोर्चा कार्यकारिणी के गठन का अधिकार संबंधित मोर्चा अध्यक्षों के पास होता है, लेकिन अंतिम मंजूरी शीर्ष नेतृत्व से मिलना आवश्यक है। यही कारण है कि अध्यक्ष चाहकर भी

अपने स्तर पर नियुक्तियां नहीं कर पा रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व की स्वीकृति में देरी के चलते यह पूरा मामला अटका हुआ है। इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल लगातार प्रदेश दौरे पर हैं। पदभार संभालने के बाद से वे संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में जुटे हुए हैं। इसके बावजूद कुछ जिलों में गुटबाजी की स्थिति सामने आ रही है, जो संगठन के लिए चिंता का विषय मानी जा रही है। भाजपा ने इस बार संगठनात्मक नियुक्तियों में जमीनी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने का प्रयास किया है।

कार्यकर्ताओं को नए दायित्वों की उम्मीद

भाजपा कार्यकर्ता नए दायित्वों का इंतजार कर रहे है। इन मोर्चों से पहले जुड़े कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि उन्हें अब नई जिम्मेदारी दी जाएगी। जिम्मेदारी न मिलने से फिलहाल कार्यकर्ता बिना काम के बैठे हैं। भाजपा के सभी सात मोर्चे प्रदेशभर का प्रतिनिधित्व करते हैं और संगठन की रीढ़ माने जाते हैं। युवा मोर्चा तो भाजपा की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयों में से एक है। इसकी प्रदेश कार्यकारिणी में अध्यक्ष सहित 31 सदस्य होते हैं, जिनमें आठ उपाध्यक्ष, आठ मंत्री, कार्यालय मंत्री और अन्य पदाधिकारी शामिल रहते हैं। इसके अलावा प्रदेशभर में 56 जिला अध्यक्ष होते हैं, जो अपने-अपने जिलों में टीम बनाकर संगठनात्मक गतिविधियां संचालित करते हैं। इसी तरह महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा तथा एससी-एसटी मोर्चा की भी विस्तृत संरचना होती है। जब तक इन मोचौं की कार्यकारिणी घोषित नहीं होती, तब तक संगठनात्मक कामकाज पूरी गति से आगे बढ़ पाना मुश्किल है। फिलहाल स्थिति यह है कि सभी मोर्चा अध्यक्ष बिना पूरी टीम के ही जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

राज्य स्तरीय समिति करेगी इंदौर में जलापूर्ति की समीक्षा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● इंदौर में प्रदूषित जल आपूर्ति के घटनाक्रम की विस्तृत समीक्षा कर निष्कर्ष, सुझाव एवं अनुशंसाएं प्रस्तुत करने के लिए राज्य शासन ने अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय शुक्ला की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। समिति में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पी. नरहरि, आयुक्त संचालनालय नगरीय प्रशासन संकेत भोडवे को सदस्य बनाया गया है। आयुक्त इंदौर संभाग सुदाम खाड़े को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। समिति द्वारा जांच प्रतिवेदन अधिकतम एक माह के भीतर राज्य शासन को प्रस्तुत किया जाएगा। समिति द्वारा भागीरथपुरा घटना के वास्तविक कारणों एवं आवश्यक तथ्यों का परीक्षण करना एवं घटना से संबंधित प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रबंधनगत कमियों का विश्लेषण किया जाएगा। समिति घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों/कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए आवश्यक सुझाव देना और ऐसे अन्य विषय जो जांच के अधीन मामलों में आवश्यक या अनुषांगिक समझे भी जांच में शामिल कर सकेगी। समिति संबंधित विभागों से आवश्यक अभिलेख, प्रतिवेदन एवं जानकारी प्राप्त कर सकेगी तथा आवश्यकता पर स्थल निरीक्षण भी करेगी। बता दें कि इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से 24 लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए।

बनारस मणिकर्णिका घाट पर सोया इंदौर जिला प्रशासन, सुप्रीम कोर्ट से हाईकोर्ट तक खासगी ट्रस्ट संपत्ति पर आदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मणिकर्णिका घाट को लेकर बवाल जारी है। कांग्रेस और विपक्षी दल इस पर हमलावर हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट इन संपत्तियों में बदलाव पर रोक लगा चुके हैं।

बनारस का मणिकर्णिका घाट मां देवी अहिल्याबाई ने 1771 में बनवाया था। यह घाट होलकर राज्य की संपत्तियों के संरक्षण के लिए बने खासगी ट्रस्ट के अधीन है। इस ट्रस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट 21 जुलाई 2022 को लंबा आदेश दे चुका है। वहीं, हाईकोर्ट इंदौर ने 24 जनवरी 2023 को आदेश देकर संपत्ति में दखल पर रोक लगा दी थी। ऐसे में यहां पर हो रहा विकास काम इन दोनों ही आदेशों की अवमानना है। होलकर साम्राज्य के भारत में विलीन होने के बाद इनकी संपत्तियों के रखरखाव के लिए 1962 में खासगी ट्रस्ट का गठन किया गया था। इस ट्रस्ट में मां अहिल्या के जरिए निर्मित 206 संपत्तियों को शामिल किया गया है। इसमें मणिकर्णिका घाट भी शामिल है।

होलकर के वंशजों के बीच चल रहे संपत्ति विवाद को लेकर हाईकोर्ट इंदौर में केस लगा था। इसमें सुनवाई अभी जारी है। 24 जनवरी 2023 को (याचिका क्रमांक FA702/2022) को अंतरिम आदेश दिया गया था। इसमे कहा गया है कि इन संपत्तियों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाए। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में 21 जुलाई 2022 को लंबा आदेश जारी हुआ था।

बनारस की यह संपत्तियां ट्रस्ट में शामिल-खासगी ट्रस्ट की संपत्तियों की सूची में बनारस का मणिकर्णिका घाट भी शामिल है। इसके अलावा, श्री महादेव मंदिर, दशावमेध घाट, जनाना घाट, सीतलामाता मंदिर के पीछे चबूतरा भी इसमें है। इसके अलावा अहिल्श्वेर मंदिर, तारेकश्वर मंदिर, मणिकर्णेशवर मंदिर और कुछ मकान नंबर भी इस सूची में शामिल हैं।

पाल समाज आया विरोध में-उधर अखिल विश्व पाल क्षत्रिय महासभा इसे लेकर विरोध आंदोलन कर रही है। उनका आंदोलन रविवार, 18 जनवरी से बनारस में शुरू हुआ है। इन्होंने कलेक्टर बनारस को ज्ञापन भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट इंदौर के आदेश का हवाला देकर काम रोकने की मांग की है। समाज के अध्यक्ष विजय पाल सिंह ने कहा कि यह गैरकानूनी काम हो रहा है। इन कोर्ट आदेशों के साथ ही एनजीटी का भी आदेश है कि गंगा नदी के किनारे पर 200 मीटर तक काम नहीं हो सकता है। इसके बाद भी यह काम गैरकानूनी हो रहा है। पाल ने द सूत्र को बताया कि जहां काम चल रहा है और टूटी मूर्तियां हैं, वहां पर प्रशासन ने पुलिस लगा दी है, ताकि कोई अंदर न जा सके। वहां निर्माण के लिए पुराने घाट और अन्य निर्माण तोड़े जाने के सबूत अलग ही दिख रहे हैं। इस मामले में जिला प्रशासन की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल है। किसी ने सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेशों को झांकने की भी जहमत नहीं उठाई है। संभागायुक्त सुदाम पी खाड़े इसमें सदस्य हैं, लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ है। ना ही रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट यानी एसडीएम गोपाल वर्मा के जरिए कोई कदम उठाया गया है। इसके पहले जब हरिद्वार में कुशावर्त घाट को बेचा गया था, तब तत्कालीन कलेक्टर आकाश त्रिपाठी खुद हरिद्वार गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी की थी लंबी गाइडलाइन

सुप्रीम कोर्ट में केस खासगी ट्रस्ट की संपत्तियों के बिकने को लेकर था। इसके खिलाफ पहले ही हाईकोर्ट ने ईओडब्ल्यू से जांच कराए जाने तक के आदेश दिए थे। इसमें महारानी उषा देवी और खासगी ट्रस्ट सुप्रीम कोर्ट गए थे। यहां 21 जुलाई 2022 को आदेश हुए कि नए सिरे से रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट इस ट्रस्ट को पुनर्गठित करे। खासगी ट्रस्ट में मध्य प्रदेश शासन की ओर से संभागायुक्त और पीडब्ल्यूडी इंजीनियर के साथ ही केंद्र से रिटायर आईएएस अवनी वैश्य भी सदस्य हैं। इसके बावजूद इनके जरिए किसी तरह की आपत्ति नहीं ली गई है। बनारस में ट्रस्टी यशवंत राव रेंण्डल जरूर गए और उन्होंने टूटी मूर्तियों की मांग की। वहीं, किसी ने भी मौके पर कोर्ट के आदेश का हवाला देकर काम रोकने की कोशिश नहीं की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।